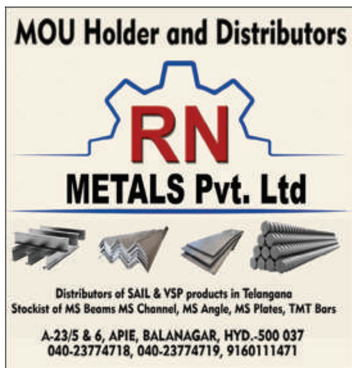

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 03 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-181

मूसी पुनरुद्धार-1

7,345 करोड़ लागत से कार्य

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य कैबिनेट ने गुरुवार को महत्वाकांक्षी मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के पहले चरण के लिए 7,345.12 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही लंबे समय से प्रतीक्षित रिवरफ्रंट विकास पहल के कार्यान्वयन को गति मिल गई है।

सरकार 9 जुलाई तक तकनीकी मंजूरी जारी करेगी और निविदाएं आमंत्रित करने वाले नोटिस (एनआईटी) को मंजूरी देगी। सरकार की योजना 19 अगस्त तक निविदा प्रक्रिया को अंतिम रूप देने और अनुबंध (कॉन्ट्रेक्ट) आवंटित करने की है, जिससे चरण-I के कार्यों की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त होगा।

यह मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के पहले चरण के कार्यान्वयन की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक है।

कैबिनेट के फैसलों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि कैबिनेट ने 7,345.12 करोड़ रुपये की लागत से नदी के 21 किलोमीटर लंबे हिस्से को कवर करने वाले चरण-ख के कार्यों को मंजूरी दी है। यह परियोजना उस बिंदु से शुरू की जाएगी जहां हिमायतसागर और उस्मानसागर से निकलने वाली धाराएं लंगर हौज़ के बापू घाट पर मिलती हैं।

पहला चरण दो हिस्सों (स्ट्रेच) से मिलकर बना है जो बापू घाट के पास प्रस्तावित गांधी सरोवर पर मिलते हैं। स्ट्रेच-ए हिमायतसागर से 9.2 किमी तक फैला है और स्ट्रेच-बी उस्मानसागर (गंडीपेट) से 11.8 किमी को कवर करता है।

परियोजना के लिए 147 नए पदों का सृजन

कैबिनेट ने मूसी रिवरफ्रंट कार्यों के कार्यान्वयन और रखरखाव के लिए 147 नए पदों के सृजन को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा, परियोजना के सुचारू निष्पादन और प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए अन्य सरकारी विभागों से आवश्यक कर्मियों की प्रतिनियुक्ति को भी मंजूरी दी गई।

आधिकारिक स्रोतों के अनुसार, सिंगापुर स्थित इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी मेइनहार्ट ने, जो कुशमैन एंड वेकफील्ड और रियोस वाले एक अंतर्राष्ट्रीय संघ (कंसोर्टियम) के हिस्से के रूप में काम कर रही है, 30 मई को पहले चरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का मसौदा प्रस्तुत किया था।

यह डीपीआर मूसी नदी में निरंतर ताजे पानी का प्रवाह सुनिश्चित करने, आधुनिक रिवरफ्रंट बुनियादी ढांचे के निर्माण और व्यापक बाढ़ शमन (रोकथाम) उपायों पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य नदी को एक स्थायी शहरी जलमार्ग में बदलना है।

प्रभावितों को डबल-बेडरूम मकान

कैबिनेट बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनर्वास प्रक्रिया के तहत वर्तमान में मूसी नदी के तल (रिवरबेड) में रह रहे परिवारों को डबल-बेडरूम मकान आवंटित किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि भूमि अधिग्रहण से प्रभावित भूस्वामियों को या तो हस्तांतरणीय विकास अधिकार प्रदान किए जाएं या उपयुक्त मुआवजा दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गांधी सरोवर परियोजना के लिए अधिग्रहित की जाने वाली रक्षा भूमि (डिफेंस लैंड) पर स्थित संरचनाओं को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया, जिसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हुसैन सागर के किनारे नेकलेस रोड (पी.वी. नरसिम्हा राव मार्ग) पर एक मूसी एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित करने का भी निर्देश दिया, ताकि जनता इस परियोजना के पीछे के दृष्टिकोण और इसके तहत योजनाबद्ध विकास कार्यों को समझ सके।

उन्होंने कहा कि यह केंद्र परियोजना के सभी घटकों को व्यापक रूप से प्रदर्शित करे और साथ ही प्रस्तावित रिवरफ्रंट विकास पहल पर जनता की प्रतिक्रिया और सुझावों को एकत्र करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करे।

अयोध्या चढ़ावाकाँड : 8 घंटे जांच, चंपत राय से पूछताछ

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार को बड़ी खबर सामने आई है। इस मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने अयोध्या में 8 घंटे तक मैराथन जांच की है। इस दौरान ट्रस्ट के पदाधिकारियों से भी पूछताछ की चर्चा है। सामने आया है कि दोपहर 1:40 बजे से रात 8:30 बजे तक जांच चली है। इस दौरान आईपीएस किरण एस की मौजूदगी में टीम मंदिर परिसर में पहुंची और फिर गहन पड़ताल हुई।

सूत्रों की मानें तो चढ़ावा चोरी मामले को लेकर एसआईटी एक्शन में है और गुरुवार को जांच के क्रम में कई अहम लोगों से पूछताछ की गई है। एसआईटी (विशेष जांच दल) की टीम अयोध्या पहुंची और करीब आठ घंटे तक राम मंदिर परिसर में गहन जांच-पड़ताल की। जांच के दौरान टीम का नेतृत्व आईपीएस अधिकारी किरण एस कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने मंदिर परिसर के भीतर कई बिंदुओं पर साक्ष्य जुटाए और संबंधित लोगों से सवाल किए। टीम ने सुरक्षा व्यवस्था, दान संग्रह की प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की भी बारीकी से जांच की।

सूत्रों के हवाले से यह जानकारी भी सामने आई है कि जांच के दौरान गोपाल राव, चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा से भी पूछताछ की गई। हालांकि, इस संबंध में एसआईटी या श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। राम मंदिर दान चोरी मामले में एसआईटी की यह लंबी जांच कई अहम तथ्यों को सामने ला सकती है। अब सभी की निगाहें जांच एजेंसी की अगली कार्रवाई और आधिकारिक बयान पर टिकी हैं।

किसकी सिफारिश पर हुई कर्मचारियों की नियुक्ति

एसआईटी ने पूछताछ के क्रम में ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों और सेवादारों से लंबी पूछताछ की है। एसआईटी ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था, दान संग्रह की प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की भी बारीकी से समीक्षा की। जांच के दौरान ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और गोपाल राव से उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों को लेकर सवाल पूछे गए। ▶8पर

जनवरी में ही रुक सकती थी चोरी!

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। अगर चंपत राय चाहते तो ये चोरी जून में नहीं बल्कि 6 महीने पहले जनवरी में ही रुक जाती। दरअसल, ट्रस्ट के लोगों को जनवरी में ही चढ़ावे में चोरी का शक हो गया था क्योंकि पिछले साल के आखिर में अचानक चढ़ावे की रकम में काफी गिरावट आ गई थी।

1) असल में हर महीने एक चार्टर्ड अकाउंटेंट राम मंदिर ट्रस्ट के खातों का ऑडिट करता है। इसी चार्टर्ड अकाउंटेंट ने ट्रस्ट के सदस्यों को जानकारी दी कि राम मंदिर में चढ़ावे की रकम में अचानक काफी गिरावट आ रही है। चढ़ावे के वाउचर और रसीदों में कोई तालमेल नहीं है। पांच लाख से ऊपर के खर्च का हिसाब नहीं मिल रहा है।

2) चार्टर्ड अकाउंटेंट के बताने के बाद ट्रस्ट की तरफ से महासचिव चंपत राय को चिट्ठी लिखी गई। चंपत राय को सुझाव दिया गया कि वो पूरे खातों की ठीक से जांच कराएं। चढ़ावे की देख-रेख के लिए तुरंत ही एक विभाग प्रमुख नियुक्त करें।

3) चंपत राय से कहा गया कि चढ़ावे में जो फॉरेन करेंसी आ रही है, उसकी ठीक से एंट्री नहीं हो रही है। फॉरेन करेंसी के हिसाब-किताब के लिए भी अलग से एक आदमी रखा जाए। गिनती करने वाले स्टाफ के ड्रेस कोड और फ्रिस्किंग को लेकर जो एसओपी बनाए गए हैं, उनका सख्ती से पालन हो। ▶8पर

एनडीए दो तिहाई टार्गेट

अब पवार सांसदों की बारी

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने वाला है और इससे पहले सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दो तिहाई बहुमत जुटाने की जुगत में जुटा हुआ है। पहले तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों के पाला बदल और फिर उद्धव ठाकरे की पार्टी के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल होने के बाद अब एनडीए की नजर शिव-सेना (यूबीटी) की गठबंधन सहयोगी शरद पवार की पार्टी के सांसदों पर है। सूत्रों की मानें तो एनसीपी (शरद पवार) के लोकसभा में आठ सांसद एनडीए के संपर्क में हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी कुछ भी तय नहीं है कि इन सांसदों का ठिकाना कौन सी पार्टी होगी। एनडीए की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) इन सांसदों को लेने के लिए तैयार नहीं है। बीजेपी नेतृत्व ने इनमें से किसी को मंत्री पद देने के कयास भी खारिज कर दिए हैं। शरद पवार की पार्टी के सांसद भविष्य में सुनेत्रा परिवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में जा सकते हैं। एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की संभावनाएं फिलहाल नकारी जा रही हैं। एनसीपी (शरद पवार) के सांसदों की बगावत के पीछे पार्टी के कांग्रेस में विलय के कयासों को वजह बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस में विलय की अटकलों से शरद पवार की पार्टी के सांसदों में बेचैनी है।

शरद पवार की पार्टी के सांसद 2029 के लोकसभा चुनाव में अपने टिकट को लेकर सशंकित हैं। एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसदों का यह भी कहना है कि केंद्र में एनडीए की सरकार है ही, महाराष्ट्र में भी एनडीए ही सत्ता में है। ऐसे में उनको अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कराने, विकास कार्य कराने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ▶8पर

तक्षशिला खतरे में

पाक को यूनेस्को की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में ऐतिहासिक विरासत और बड़ी पुरातात्विक साइट तक्षशिला (प्राचीन तक्षशिला/तक्षशिला विश्वविद्यालय) खतरे में पड़ गई है। यहां पाकिस्तान की ओर से कराए गए संरक्षण कार्य को लेकर यूनेस्को ने आपत्ति जताई है। संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक संस्था यूनेस्को ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि अगर तक्षशिला कॉम्प्लेक्स में किए गए हस्तक्षेपों को ठीक नहीं कराया गया तो तक्षशिला को विश्व धरोहर स्थलों की लिस्ट से हटाकर वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर यानी संकटग्रस्त विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जा सकता है।

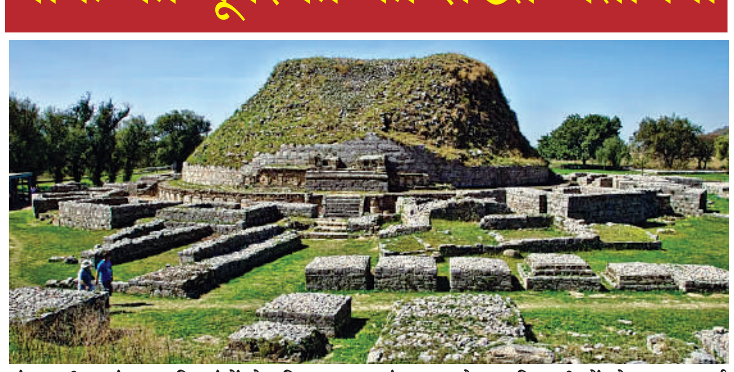

पाकिस्तान के अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग ने संरक्षण कार्य के नाम पर प्राचीन संरचनाओं में सीमेंट और आधुनिक चिनाई (मॉडर्न मैसनरी) का इस्तेमाल किया। यूनेस्को का मानना है कि इस तरह की सामग्री का उपयोग अंतरराष्ट्रीय संरक्षण सिद्धांतों के खिलाफ है और इससे स्मारकों की ऐतिहासिक प्रामाणिकता और मौलिक स्वरूप पर असर पड़ता है। यह विवाद खास तौर पर तक्षशिला पुरातात्विक परिसर के दो महत्वपूर्ण स्थलों सिरकप और मोहरा मोरादू में कराए गए संरक्षण कार्यों को लेकर है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत एवं संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यूनेस्को ने इन कार्यों को 'गैरजरूरी हस्तक्षेप' बताया। यूनेस्को ने स्पष्ट किया कि पुरातात्विक स्मारकों में इस प्रकार के बदलाव उनकी ऐतिहासिक विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं। संस्था ने यह भी संकेत दिया कि अगर इन बदलावों को पहले जैसी स्थिति में नहीं किया गया या संरक्षण के स्टैंडर्ड का पालन नहीं किया गया तो वह कड़ी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी।

बताया गया है कि मार्च में यहां आए एक पर्यटक ने पेरिस स्थित पाकिस्तान के यूनेस्को प्रतिनिधि को इन संरक्षण कार्यों की तस्वीरें और जानकारी भेजी थी। इसके बाद मामला यूनेस्को के संज्ञान में आया। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, शिकायत में कहा गया कि कई स्थानों पर मूल पुरातात्विक दीवारों को नई चिनाई से बदल दिया गया या उनकी ऊंचाई बढ़ा दी गई। यूनेस्को ने माना कि इस तरह के हस्तक्षेप विश्व धरोहर स्थल की प्रामाणिकता और अखंडता को प्रभावित कर सकते हैं। डॉन ने भी संबंधित स्थलों की तस्वीरों की समीक्षा का दावा करते हुए लिखा कि कई स्थानों पर प्राचीन पत्थरों की जगह नई चिनाई दिखाई दे रही है। जहां मूल निर्माण अनियमित आकार के प्राचीन पत्थरों से हुआ था, वहीं नई मरम्मत में समान आकार के आधुनिक और तराशे हुए ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 24^0

जापानी पीएम छोटी बहन

फार्मा-रक्षा-तकनीक में कई समझौते

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत और जापान ने अपने रिश्तों को नई मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। जापान की प्रधानमंत्री सना तकाइची के भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच फार्मा, रक्षा, तकनीक और आर्थिक सहयोग समेत कई क्षेत्रों में समझौते हुए। हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सना तकाइची की मौजूदगी में दोनों देशों ने कई मेमोरेंडम ऑफ कोऑपरेशन पर हस्ताक्षर किए।

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सना तकाइची का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें अपनी छोटी बहन बताते हुए कहा, प्रधानमंत्री तकाइची, मेरी छोटी बहन, दोनों देशों के प्रतिनिधियों और मीडिया के साथियों का मैं स्वागत करता हूं। भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए उनकी पहली भारत यात्रा पर मुझे बेहद खुशी है। पीएम मोदी ने कहा कि सना तकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं और एक दूरदर्शी नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका नारा प्रांत भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। ▶8पर

लापता लड्डू गोपाल की तलाश !

5 हजार का ईनाम, सीट गठित

ग्वालियर, 02 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्वालियर में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर लोग हैरान भी हैं और भावुक भी। यहां पांच महीने से लापता भगवान लड्डू गोपाल की प्रतिमा की तलाश के लिए पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बना दी है। तीन थानों की पुलिस और एक सीएसपी अब उस प्रतिमा की तलाश करेंगे, जो 29 जनवरी से गायब है।

कहानी ग्वालियर के अलकापुरी में रहने वाली विजया शर्मा की है। उनके मुताबिक, 29 जनवरी को वह अपने लड्डू गोपाल को साथ लेकर महाराज बाड़ा गई थीं। इसी दौरान एक ठेले पर प्रतिमा छूट गई। जब उन्हें इसका एहसास हुआ तो उन्होंने आसपास

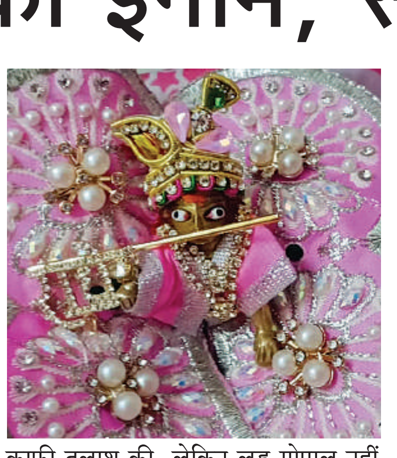

काफी तलाश की, लेकिन लड्डू गोपाल नहीं मिले। विजया ने कोतवाली थाने में शिकायत की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले, लोगों से पूछताछ की और अपने स्तर पर तलाश भी की, लेकिन पांच महीने बाद भी प्रतिमा का कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार विजया शर्मा ग्वालियर के आईजी अरविंद सक्सेना के पास पहुंचीं और उनसे मदद की गुहार लगाई।

आईजी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएसपी किरण अहिरवार की अगुवाई में एक विशेष टीम गठित कर दी। इस टीम में तीन थानों की पुलिस शामिल होगी और पुराने सुरागों के साथ नए सिरे से जांच की जाएगी। पुलिस का कहना है कि कोशिश होगी कि प्रतिमा जल्द से जल्द बरामद हो जाए। विजया शर्मा कहती हैं कि उनके लिए लड्डू गोपाल सिर्फ पूजा की मूर्ति नहीं हैं, बल्कि परिवार के सदस्य हैं। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेश की राजनीति में राष्ट्रपति शहाबुद्दीन एक मिसाल

सरकारें बदलीं वो बने रहे, चतुराई से यूनुस-रहमान को साधा

जमात शहाबुद्दीन को हसीना का प्रतीक मानती है, उन्हें हटाने के लिए लगा रहीं जोर

ढाका

बांग्लादेश की राजनीति में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन एक अनोखी मिसाल बन गए हैं। शेख हसीना सरकार के भरोसेमंद चहेते रहे वे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के लिए मजबूरी बन गए और अब तारिक रहमान की बीएनपी सरकार में चतुराई से टिके हुए हैं। उनकी कहानी बांग्लादेश की सियासत की गहराई और दांव-पेच को दर्शाती है, जिस पर वहां की जमात-ए-इस्लामी पार्टी विराम लगाना चाहती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहम्मद शहाबुद्दीन की गिनती 1971 के बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में होती है। तब वे छात्र नेता के रूप में सक्रिय थे1 अपने जन्म स्थान पबना में स्वाधीन बांग्ला छात्र संघर्ष परिषद के संयोजक थे। शेख मुजीबुर रहमान ने उन्हें कृषक श्रमिक अवामी लीग का जिला संयुक्त सचिव बनाया था। मुजीब की हत्या के बाद उन्हें तीन साल जेल भी जाना पड़ा। जेल से रिहा होने पर उन्होंने राजनीति से कुछ समय के लिए किनारा कर लिया। वे वकील बने, जिला न्यायाधीश रहे और फिर एंटी-करप्शन कमीशन में कमिश्नर की भूमिका निभाई। अवामी लीग के पुराने कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं पर अत्याचार की जांच भी की।

रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में वे अवामी लीग की सलाहकार परिषद के सदस्य बने। अप्रैल 2023 में शेख हसीना सरकार ने उन्हें राष्ट्रपति पद पर नामित किया। बिना विरोध के वे 22वें राष्ट्रपति बन गए। यह फैसला शेख हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना की विशेष पसंद माना जाता है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उनसे अनजान थे। शहाबुद्दीन हसीना सरकार के लिए आदर्श व्यक्ति थे। वफादार, अनुभवी और कम विवादास्पद। उनकी नियुक्ति ने हसीना सरकार को संवैधानिक स्तर पर मजबूती दी। वे हसीना के चहेते साबित हुए।

अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद हसीना भारत पलायन कर गईं। मुहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार बने। इस दौर में शहाबुद्दीन देश के एकमात्र संवैधानिक प्रमुख बन गए। कई प्रदर्शनकारियों ने उनका इस्तीफा मांगा, लेकिन वे हटा नहीं सके। यूनुस सरकार के अंतिम दौर में दिसंबर 2025 में शहाबुद्दीन ने रायटर्स को इंटरव्यू दिया। उन्होंने कहा कि वे फरवरी 2026 के संसदीय चुनाव के बाद इस्तीफा दे देंगे। यूनुस सरकार में उन्हें अपमानित महसूस हुआ। यूनुस ने सात महीने तक उनसे मुलाकात नहीं की, उनका प्रेस विभाग छीन लिया और सितंबर में रातोंरात विदेशी दूतावासों से उनके फोटो हटा दिए गए। जब शेख हसीना के खिलाफ प्रदर्शनकारियों को गुस्सा सड़क पर फूटा था, तब उनके हर नजदीकी को निशाना बनाया जा रहा था। ऐसे वक्त में बांग्लादेश सेना प्रमुख वाकर-उज-जमान उनकी रक्षा में आगे आए और फिर दोनों के बीच संपर्क नियमित हो गया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका-ईरान वार्ताः तीन अरब डालर के फंड पर बनी सहमति, कतर में हुई बैठकः कूटनीति से रास्ते खुलने की उम्मीद

दोहा। पिछले कुछ महीनों से जारी भीषण संघर्ष के बाद, अमेरिका और ईरान अब कूटनीति के रास्ते पर लौटते दिख रहे हैं। कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई है, जिसमें दोनों देशों के बीच हुए समझौते को लागू करने को लेकर अच्छी खासी प्रगति हुई है। बातचीत के दौरान सबसे ज्यादा जोर अमेरिका द्वारा फ्रीज किए गए ईरान के 3 बिलियन डालर के फंड को जारी करने पर रहा, और अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका इस फंड को जारी करने पर सहमत हो गया है, हालांकि कुछ शर्तें भी लगाई गई हैं। यह बातचीत अप्रत्यक्ष रूप से हुई, जिसमें अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधिमंडल एक कमरे में आमने-सामने नहीं बैठे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों ने दोनों देशों के बीच संदेश पहुंचाने का काम किया। ईरान के आधिकारिक डिप्टी विदेश मंत्री काजेम गारीबाबादी ने इस अप्रत्यक्ष वार्ता की पुष्टि की है। बैठक के दौरान, समझौते के किसी भी उल्लंघन को तुरंत रिकार्ड और रिपोर्ट करने के लिए एक इमरजेंसी कम्युनिकेशन चैनल स्थापित करने पर भी सहमति बनी है ।ईरान के 3 बिलियन डालर के फंड को चरणबद्ध तरीके से जारी करने पर शुरुआती सहमति बनी है, लेकिन अमेरिका ने इस पर स्पष्ट शर्तें रखी हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल ईरान को कोई धनराशि जारी नहीं की गई है, और भविष्य में भी धनराशि तभी जारी होगी, जब ईरान समझौता ज्ञापन में तय सभी शर्तों को पूरा करेगा। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने बताया कि इस्लामाबाद समझौते को लेकर हुई इस वार्ता में काफी सकारात्मक प्रगति हुई है। अमेरिका की तरफ से ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकाफ और उनके दामाद जारेड कुशनर ने कतर के प्रधानमंत्री से मिलकर इस पूरी वार्ता की जमीन तैयार की थी।

नेपाल में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम घटे, पेट्रोल 20 और डीजल 30 रुपये प्रति लीटर सस्ता

काठमांडू। नेपाल आयल निगम ने पेट्रोलियम पदार्थों के खुदरा मूल्य में भारी कटौती की है। निगम के अनुसार नई कीमतें बुधवार देर रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। इसके तहत पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 20 रुपये, डीजल और मिट्टी तेल में 30 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। वहीं, घरेलू हवाई ईंधन में 40 रुपये और अंतरराष्ट्रीय हवाई ईंधन के लिए काठमांडू में प्रति किलोलीटर 265 अमेरिकी डालर की कटौती की गई है। इसके अलावा खाना पकाने वाली गैस भी प्रति सिलेंडर 100 रुपये सस्ती कर दी गई है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय हवाई ईंधन के लिए पोखरा और भैरहवा में बिक्री मूल्य ब्रेक-ईवन पाइंट पर ही कायम रखा जाएगा। नई दरों के अनुसार अब उपभोक्ताओं को पेट्रोल के लिए 197 रुपये प्रति लीटर चुकाने होंगे, जबकि डीजल और मिट्टी तेल 195 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। इसी तरह 14.2 किलोग्राम एलपी गैस सिलेंडर की कीमत 2060 रुपये और 7.1 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत 1030 रुपये तय की गई है।

अमेरिकी हेलीकाप्टर की आपातकाल लैंडिंग होते ही 1 चालक गायब

वाशिंगटन। अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के एक एमएच-60एस सी हाक हेलीकाप्टर को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है, जिसके बाद से उसके चालक दल का एक सदस्य लापता है। इस घटना ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अभियानों पर ध्यान आकर्षित किया है, खासकर ईरान के साथ जारी तनाव के बीच। अमेरिकी नौसेना के बयान के अनुसार, 1 जुलाई को सुबह 3:30 बजे, यूएसएस जार्ज एच.डब्ल्यू. बुश युद्धपोत पर तैनात इस हेलीकाप्टर के पायलटों को आपातकालीन स्थिति में अरब सागर के पानी में उतरना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही, लापता सदस्य की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर खोज अभियान शुरू कर दिया गया है। हेलीकाप्टर में कुल चार क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें से तीन को सुरक्षित बचा लिया गया है और उन्हें यूएसएस जार्ज एच.डब्ल्यू. बुश पर वापस लाया गया है, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल, इस आपातकाल लैंडिंग की वजह साफ नहीं हो पाई है और नौसेना ने इसकी जांच शुरू कर दी है। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि नौसेना ने स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई संकेत नहीं है कि यह इमरजेंसी किसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी।

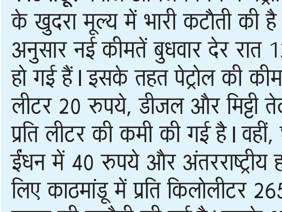

धमाकों से दहला यूक्रेन, कीव में कई जगह लगी आग, दो लोगों की मौत

कीव (यूक्रेन)

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की देश में रूस के बड़े हमले की चेतावनी के कुछ घंटे बाद गुरुवार तड़के राजधानी कीव और अन्य जगहों पर जोरदार धमाके हुए। इन धमाकों से पूरा देश दहल गया। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, राजधानी कीव में कई जगह आग लग गई। धमाकों की चपेट में आए दो लोगों की जान चली गई। जेलेंस्की ने एक खुफिया रिपोर्ट के आधार पर देशवासियों को चेताया था कि रूस रात को बड़े हमले की योजना बना रहा है। द कीव इंडिपेंडेंट, कीव पोस्ट और अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात ज्यादा हलचल नहीं हुई। सवेरा होने से पहले कीव में कई धमाके हुए। कीव के अधिकारियों ने बताया कि रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। इससे रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा और उनमें आग लग गई। हमले में कम से कम दो व्यक्तियों की मौत हो गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमलों के बाद कम से कम 11 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। क्लिट्स्को ने कहा कि बचावकर्मी नौ मंजिला इमारत के मलबे वाली जगह पर पहुंचे और अंदर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस सब स्टेशन पर हमले में मेडिकल कर्मचारी घायल हुए हैं।

कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको के अनुसार, इस हमले में दो लोग मारे गए और कम से कम 16 अन्य घायल हो गए। इस हमले में आवासीय इमारतें भी नष्ट हो गईं। मध्य कीव में एक होटल क्षतिग्रस्त हो गया और बहुमंजिला इमारतें आग की लपटों में घिर गईं। स्थानीय समयानुसार सुबह 5 बजे तक अधिकारियों ने कम से कम 28 स्थानों पर नुकसान दर्ज किया ।

यूक्रेन के कई क्षेत्रों में हवाई अलर्ट जारी किया गया। दक्षिणी शहर जापोरिजिया और निप्रोपेत्रोव्स्क ओब्लास्ट के पावलोहराड में विस्फोट होने की सूचना है। पूर्वोत्तर यूक्रेन के सूमी और खार्किव में भी धमाके हुए हैं। तकाचेंको ने कहा, आने वाले दिनों में और हमले होने की भी संभावना है। विस्फोट शुरू होने से कुछ ही समय पहले यूक्रेन की वायुसेना ने चेतावनी दी कि रूसी ड्रोन के समूह कीव और मायकोलाइव, कोनोटाप और खेरसोन सहित अन्य शहरों की ओर बढ़ रहे हैं।

तकाचेंको ने रात 12:45 बजे कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल के खतरे की चेतावनी दी। वायुसेना ने भी लगभग आधे घंटे बाद ऐसी ही चेतावनी जारी की। ओपन-सोर्स मानिटरिंग चैनलों ने बताया कि रूस ने 10 बाम्बर विमान तैनात किए। रात करीब दो बजे जोरदार धमाकों से कीव और अन्य शहर दहल गए। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि राजधानी पर हुए हमले में शहर भर की रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया गया और आम नागरिक व बचावकर्मी घायल हुए।

कीव के व्यस्त केंद्रीय इलाके पर भारी नुकसान हुआ है। यहां रिहायशी इलाकों के साथ-साथ संग्रहालय और विश्वविद्यालय भी हैं। तकाचेंको ने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग तबाह हो गई। पेचेर्स्की जिले में हमलों के कारण रिहायशी इमारतों के पास दो जगहों पर आग लगने की भी सूचना मिली है। सोलोमियांस्की जिले में एक प्रशासनिक इमारत के पास आग लग गई। होलोसीव्स्की जिले में एक और बहुमंजिला इमारत क्षतिग्रस्त हो गई।

जेलेंस्की ने बुधवार दिन में लोगों से सावधान रहने और हवाई हमले के सायरन पर ध्यान देने की अपील की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के खिलाफ बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने एक्स पर कहा, इसी खतरे का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों के अनुसार, स्थानीय समय के अनुसार रात 8 बजे से सायरन बजने शुरू हो गए। सायरन सुनकर लोग मेट्रो स्टेशन पहुंच गए।

यूक्रेन ने पिछले महीने रूस के खिलाफ अभूतपूर्व ड्रोन अभियान शुरू किया है। इसमें लंबी दूरी के ड्रोन हमलों के जरिए ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है ।जेलेंस्की ने इसे मास्को को युद्ध खत्म करने के लिए मजबूर करने की एक अहम रणनीति बताया है। पिछले हफ्ते एक ही रात में रूस ने 12 क्षेत्रों में 660 ड्रोन को रोकने की सूचना दी। इससे पहले जून में कीव के बीचों-बीच हुए रूसी हमले में यूक्रेन के एक प्रमुख मठ परिसर यूनेस्को की सूची में शामिल कीव पेचेर्स्क लावरा में आग लग गई थी।

वेनेजुएला भूकंप त्रासदी, हताहतों की संख्या 2,295, संयुक्त राष्ट्र को आंकड़ा 10,000 पहुंचने की आशंका

कराकास (वेनेजुएला)

वेनेजुएला में दिन गुजरने के साथ-साथ भूकंप त्रासदी में हताहतों की बढ़ती संख्या डरावनी होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र ने तो यह आंकड़ा 10,000 तक पहुंचने की आशंका जताई है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जार्ज रोड्रिगेज के अनुसार, वेनेजुएला में आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,295 हो गई है। रोड्रिगेज ने सरकारी टेलीविजन पर कहा कि हजारों अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

स्काई न्यूज की रिपोर्ट में जार्ज रोड्रिगेज और संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक जियानलुका रैम्पोला डेल टिंडारो के हवाले से यह जानकारी दी गई। वेनेजुएला में 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दोहरे भूकंप के बाद भारत समेत दुनिया भर के प्रमुख देशों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाए हैं। टिंडारो ने माना कि संयुक्त राष्ट्र ने 10,000 बाडी बैग मंगवाए हैं। एक न्यूज वेबसाइट के अनुसार, 43,000 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। रोड्रिगेज के अनुसार, 15,866 लोग बेघर हो गए हैं। नासा के अनुमान के अनुसार, 59,000 इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इस समय बचावकर्मी मलबे में जीवित बचे लोगों और अन्य पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। एक अमेरिकी जनरल ने बताया कि राहत कार्यों में मदद के लिए वेनेजुएला, प्यूर्टो रिको और कुराकाओ में 1,700 अमेरिकी कर्मियों को तैनात किया गया है। सहायता समूहों ने चेतावनी दी है कि पहले से ही कमजोर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर भारी दबाव है। वर्ल्ड फ़ूड प्रोग्राम ने 500,000 लोगों को आपातकालीन खाद्य सहायता प्रदान करने के लिए 5 करोड़ डालर मदद की अपील की है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार 24 जून के दोहरे भूकंप के बाद वेनेजुएला में करीब 782 आफ्टरशाक्स दर्ज किए गए। अभी भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में मलबे को पूरी तरह से हटाया नहीं जा सका है। त्रासदी यह भी है कि वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देशों में से एक है। लेकिन देश में आए दोहरे भूकंप की वजह से ईंधन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

7 साल के बच्चे का 117 किलो वजन, हार्ट अटैक से मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के मिशिगन राज्य से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने माता-पिता की जिम्मेदारी और बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 7 साल के कैस्पर ओब्रायन नाम के एक बच्चे की मौत हार्ट फेलियर से हो गई, और इसका सबसे बड़ा कारण उसका अत्यधिक वजन था, जो चौंकाने वाला 117 किलो (255 पाउंड) था। पुलिस जांच के अनुसार, माता-पिता ने बच्चे को इतना अधिक खिला-खिलाकर मोटा कर दिया कि उसकी जान चली गई। यह घटना बाल उपेक्षा और क्रूरता का एक वीभत्स उदाहरण बन गई है। पुलिस ने बच्चे के माता-पिता, डेमियन ओब्रायन (40) और जेसिका ओब्रायन (41) पर सेकंड डिग्री मर्डर, चाइल्ड एब्यूज (बाल उत्पीड़न) और टार्चर (यातना) जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच अधिकारियों ने बताया कि बच्चे को कभी भी डाक्टर के पास नहीं ले जाया गया, जिससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। घर में गंदगी का माहौल था, जो परिवार की लापरवाही को और उजागर करता है।

पाकिस्तान ने दी धमकी कहा- सिंधु जल के लिए हो सकती है जंग

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल समझौते को लेकर भारत को सीधी धमकी दी है, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और बढ़ गया है। आसिफ ने चेतावनी दी है कि यदि यह मामला शांतिपूर्ण ढंग से हल नहीं हुआ, तो ईश्वर न करे, पानी को लेकर युद्ध भी हो सकता है। उन्होंने भारत को इन हालात के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि नई दिल्ली पानी को विवाद का मुद्दा बनाने पर आमादा है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत का यह फैसला उसकी कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को जानबूझकर बर्बाद करने की कोशिश है, और यह उस 1960 के समझौते का उल्लंघन है जो दोनों परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच कई पूर्ण युद्धों के बावजूद कभी बाधित नहीं हुआ था। भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को निलंबित करने का यह फैसला अप्रैल 2025 में कश्मीर के पहलगाम में हुए एक बर्बर आतंकी हमले के बाद आया था। इस हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में घूमने आए 26 निर्दोष नागरिकों की धर्म पूछ-पूछकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद, भारत ने पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाने के लिए सिंधु जल समझौते से संबंधित अपनी प्रतिबद्धताओं को स्थगित करने का फैसला किया। भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। भारत ने तर्क दिया था कि पानी साझा करने के

अंतरराष्ट्रीय समझौते मूल रूप से सद्भावना, आपसी सहयोग और ईमानदारी से जुड़ने पर आधारित होते हैं। कोई भी देश भारतीय जमीन पर सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देते हुए भारतीय नदियों से बिना किसी रुकावट के, कानूनी रूप से सुरक्षित रणनीतिक फायदों की मांग नहीं कर सकता। भारत के इस कड़े रुख के बाद, समझौते में अनिवार्य हाइड्रोलाजिकल डेटा साझा करना, द्विपक्षीय आयोग की बैठकें और किसी भी विवाद की स्थिति में हेग में मध्यस्थता न्यायालय का सहयोग लेने जैसी शर्तें प्रभावित हुई हैं। खुफिया विभाग के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, भारत के बातचीत से इनकार करने से पाकिस्तान का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व बुरी तरह घबरा गया है। विशेषकर इसलिए क्योंकि भारत ने सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के बहाव को भौतिक रूप से मोड़े या रोके बिना, वहां जाने वाले पानी पर लगाम लगा दी है। ऐसा करते हुए भारत ने पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता ट्रिब्यूनल में गुहार लगाने की क्षमता को भी प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ, पाकिस्तान ने अपनी धरती पर पल रहे आतंकी संगठनों व उनके ढांचे पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, जो भारत की नाराजगी का मुख्य कारण है।

नेपाल के ललितपुर में चीन के नौ नागरिक हिरासत में

काठमांडू

नेपाल के इमिग्रेशन विभाग ने ललितपुर से 9 चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया है। राजधानी के ललितपुर धोबीघाट स्थित एक घर में बड़ी संख्या में चीनी नागरिकों के संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने की सूचना के आधार पर अध्यागमन विभाग ने बुधवार देर रात निगरानी और तलाशी अभियान चलाया ।

इस दौरान उस घर से 3 और चोभार क्षेत्र से संदिग्ध गतिविधियों में संलग्न अन्य 6 चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। विभाग के अनुसार जांच के लिए 18 चीनी पासपोर्ट भी जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि धोबीघाट के चार मंजिला घर में 29 चीनी नागरिक रह रहे थे। विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो वहां 11 पुरुष और 11 महिलाएं समेत कुल 22 चीनी नागरिक मिले। इनमें 4 व्यावसायिक वीजा और 18 पर्यटक वीजा पर नेपाल आए थे।

हालांकि सभी के पास वैध वीजा था, लेकिन 22 में से केवल 18 लोगों ने ही पासपोर्ट प्रस्तुत किए। बाकी 4 ने बताया कि उनके पासपोर्ट वीजा संबंधी कार्य के लिए वकील के पास हैं। इसके बाद जांच के लिए 18 पासपोर्ट जब्त किए गए। इमिग्रेशन विभाग के प्रवक्ता टीकाराम ढकाल के अनुसार, यह घर ड्रैगन ब्रिज इंटरनेशनल नामक कंपनी ने किराये पर लिया था।

निरीक्षण के दौरान घर को हास्टल बताया गया, लेकिन वहां हास्टल संचालन से जुड़ा कोई आधिकारिक साइनबोर्ड, उद्योग पंजीकरण, स्थानीय निकाय में व्यापार पंजीकरण या अन्य कानूनी दस्तावेज नहीं मिले। जांच में यह भी पाया गया कि पुरुष और महिलाओं को एक ही आवास में रखा गया था। खुद को हास्टल संचालक बताने वाले कर्मा शेर्पा और मंजु लामा के पास वहां रहने वाले विदेशी नागरिकों का कोई रिकार्ड या वास्तविक विवरण उपलब्ध नहीं था।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अधिकांश चीनी नागरिक पर्यटक वीजा पर नेपाल में रहकर चोभार स्थित ट्रेजर्स प्रालि और ड्रैगन ब्रिज इंटरनेशनल प्रालि से जुड़े कार्यों में लगे हुए थे। ढकाल ने कहा, वे वीजा के उद्देश्य के विपरीत गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं। यह घर सुमन कार्की के स्वामित्व में है और ड्रैगन ब्रिज इंटरनेशनल प्रालि द्वारा लीज पर संचालित किया जा रहा है। भारतीय आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रदर्शनी केंद्र के रूप में संचालित ट्रेजर्स प्रालि के भवन में अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था पाई गई। वहां बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे, निजी सुरक्षा गार्ड और आम लोगों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध देखा गया। निरीक्षण के दौरान करीब 18 चीनी नागरिक वहां कार्यरत पाए गए, जिनमें अधिकांश पर्यटक वीजा पर थे। कर्मचारियों का रिकार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। पासपोर्ट और पहचान पत्र दिखाने से इनकार किया गया। कर्मचारियों को कंपनी के वास्तविक संचालक के बारे में भी जानकारी नहीं थी। भवन के भीतर फोटो और वीडियो लेने पर भी प्रतिबंध था। विभाग ने बताया कि भवन के विभिन्न कमरों में टूरिस्ट प्रोहिबिटेड लिखे स्टिकर लगे थे। साथ ही निजी संस्थान द्वारा उपयोग किए जा रहे पास कार्ड पर नेपाल का राष्ट्रीय चिन्ह भी इस्तेमाल किया गया था।

गोशामहल में मंत्रियों और विधायक राजा सिंह ने पात्र परिवारों को सौंपी 2बीएचके फ्लैट की चाबियाँ

धूलपेट, कुलसुमपुरा, मार्कस घोड़े की कब्र और मुरलीधर बाग के 169 गरीब परिवारों का अपना घर का सपना हुआ साकार

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में तेलंगाना सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी 2बीएचके आवास योजना के अंतर्गत पट्टा एवं फ्लैट की चाबियों के वितरण का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार के राजस्व एवं आवास मंत्री श्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, परिवहन मंत्री श्री पुन्नम प्रभाकर तथा गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय विधायक श्री टी. राजा सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए हाउसिंग विभाग, माइनॉरिटी विभाग एवं हैदराबाद जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य रूप से धूलपेट-कुलसुमपुरा क्षेत्र के 145 चिन्हित पात्र परिवारों को उनके अपने 2बीएचके आवासों के वैध पट्टे एवं फ्लैट की चाबियां सौंपी गईं। इसके अतिरिक्त, सरकार की पुनर्वास योजना के तहत मार्कस घोड़े की कब्र 2बीएचके आवास परियोजना में 23 परिवारों को और मुरलीधर बाग क्षेत्र के 1 अन्य अत्यंत जरूरतमंद परिवार को भी पक्का आवास उपलब्ध कराया गया। चाबियाँ मिलते ही लाभार्थियों के चेहरे ख़ुशी से खिल उठे।

विधानसभा में उठाई थी धूलपेट पुनर्वास की आवाज: राजा सिंह

इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक श्री टी. राजा सिंह ने कहा कि धूलपेट क्षेत्र के अनेक परिवार पिछले कई दशकों से अत्यंत कठिन और विपरीत परिस्थितियों में कच्चे मकानों में जीवन यापन करने को मजबूर थे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, इस क्षेत्र के पुनर्वास (धूलपेट पुनर्वास) का मुद्दा मैंने स्वयं विधानसभा में पूरी प्रमुखता और मुस्तैदी से उठाया था, जिसके सकारात्मक परिणामस्वरूप आज इन गरीब व पात्र परिवारों के लिए 2बीएचके आवास स्वीकृत हुए हैं। आज इन परिवारों को अपने नए और पक्के घर की चाबियां प्राप्त करते हुए देखकर मुझे व्यक्तिगत रूप से अत्यंत संतोष और असीम प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जिन परिवारों के पास वर्षों से अपना कहने को कोई सिर छुपाने की जगह नहीं थी, उन्हें आज समाज में सम्मानपूर्वक जीने के लिए यह सर्वसुविधायुक्त आवास प्राप्त हुआ है।

गणेश कलाकारों के लिए 5 से 10 एकड़ भूमि लीज पर देने का आग्रह

जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाते हुए विधायक श्री राजा सिंह ने मंच पर मौजूद दोनों मंत्रियों से एक विशेष और महत्वपूर्ण आग्रह भी किया। उन्होंने मंत्रियों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि धूलपेट क्षेत्र भव्य और उत्कृष्ट गणेश प्रतिमाओं के निर्माण के लिए पूरे देशभर में अपनी एक अलग और विशिष्ट पहचान रखता है। यहाँ हजारों की संख्या में पारंपरिक गणेश कलाकार सालभर कलाकृतियों और मूर्तियों का निर्माण करते हैं। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि शहर से अधिक दूरी पर न हो, ऐसी लगभग 5 से 10 एकड़ भूमि इन कलाकारों को लंबी लीज पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे सभी गणेश कलाकारों को प्रतिमा निर्माण के लिए एक स्थायी, सुरक्षित एवं व्यवस्थित कार्यस्थल मिल सके। इससे न केवल स्थानीय कलाकारों के रोजगार को नई मजबूती मिलेगी, बल्कि हैदराबाद की ऐतिहासिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपरा को भी बढ़ावा मिलेगा।

लाभार्थियों ने जताया सरकार और विधायक का आभार

कार्यक्रम के अंतिम चरण में आवास की चाबियां और पट्टा पाकर भावुक हुए लाभार्थियों ने तेलंगाना सरकार और स्थानीय विधायक श्री टी. राजा सिंह का सहृदय आभार व्यक्त किया। हितग्राहियों ने एक स्वर में कहा कि उन्हें अपने जीवन में पहली बार अपने स्वयं के पक्के घर का सपना साकार होता दिखाई दे रहा है, जिसके लिए वे शासन और प्रशासन के सदैव ऋणी रहेंगे।

पेद्दापल्ली में वार्ड 29 का दौरा, 1.70 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा

पेद्दापल्ली, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सरकार के सचेतक एवं विधायक चिंतकुंटा विजय रमना राव के निर्देश पर नगर पालिका अध्यक्ष नूगिला मल्लैया ने बुधवार को वार्ड 29 का दौरा किया। दौरे के तहत अध्यक्ष मल्लैया ने एसआरआर फायर वर्क्स गली और वैष्णवी कॉलोनी का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ड पार्षद इलंदुला रजनी कृष्णमूर्ति ने शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। अध्यक्ष ने क्षेत्र में चल रहे स्वच्छता कार्यों का जायजा लिया। इस मौके पर मल्लैया ने कहा कि नगर पालिका के सफाई कर्मचारी सुबह से शाम तक शहर को स्वच्छ रखने में जुटे हैं। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे घर का कचरा गीला और सूखा अलग-अलग करके नगर पालिका की गाड़ी आने पर ही कर्मचारियों को सौंपें। उन्होंने घोषणा की कि विधायक विजय रमना राव के सहयोग से वार्ड 29 में 1.70 करोड़ रुपये की लागत से सीसी रोड, सीसी नाली और अंडरग्राउंड ड्रेनेज जैसे विकास कार्य जल्द शुरू किए जाएंगे। वैष्णवी कॉलोनी के निवासियों ने शिकायत की कि खाली भूखंडों में जलभराव के कारण पेड़ डूब रहे हैं और सूअर व मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे लोग बीमार हो रहे हैं। इस पर अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि भूखंड मालिक स्वयं अपने प्लॉट की सफाई कराएं, अन्यथा नगर पालिका अधिनियम के तहत जुर्माना लगाया जाएगा। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद इलंदुला रजनी कृष्णमूर्ति, वार्ड अधिकारी श्रीनिवास, वेंकटेश्वरलू, स्वच्छता निरीक्षक पुलिपाका राजू, जवान करुणाकर, इलेक्ट्रीशियन पुलिपाका नरेश, जल आपूर्ति लाइनमैन आनंद के साथ नगर पालिका कर्मचारी बोरागल्ला शुक्ला, सतुरी राजू, कनुकुंतला सरिता व अन्य वार्ड निवासी मौजूद रहे।

गुरु नानक विश्वविद्यालय में अमेरिकी उद्यमी सनी रेड्डी का प्रेरक संवाद

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु नानक इंस्टीट्यूशन्स एवं गुरु नानक विश्वविद्यालय में बुधवार को अमेरिका के प्रतिष्ठित उद्यमी, वॉयस ओवर आईपी के सीईओ, वेन स्टेट यूनिवर्सिटी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य तथा मिशिगन रिपब्लिकन पार्टी के सह-अध्यक्ष सनी रेड्डी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों से संवाद किया। अपने संबोधन में सनी रेड्डी ने वैश्विक नेतृत्व, उद्यमिता, तकनीकी नवाचार, उच्च शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय करियर अवसरों पर विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार अपनाने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। इस सत्र से विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। संस्थान की ओर से उपाध्यक्ष एवं कुलाधिपति सरदार गगनदीप सिंह कोहली तथा प्रबंध निदेशक एवं कुलपति डॉ. एच. एस. सैनी ने सनी रेड्डी का सम्मान किया और आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में रेक्टर डॉ. कालियारासन, कुलसचिव डॉ. विशाल वालिया, निदेशक (योजना) डॉ. पी. पार्थसारथी, निदेशक (इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़) डॉ. हरीश कुंद्रा, यूआईएमएस से डॉ. रोज़ मैरी सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे। संस्थान प्रबंधन ने कहा कि विश्वस्तरीय हस्तियों के साथ इस तरह के संवाद विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने और उन्हें सक्षम पेशेवर व जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनाने की संस्थान की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने इस ज्ञानवर्धक सत्र के लिए सनी रेड्डी के प्रति आभार जताया।

सेवाओं में देरी बर्दाश्त नहीं, पारदर्शिता जरूरी : कोया श्रीहर्षा

पेद्दापल्ली, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर कोया श्रीहरषा ने कहा कि लोगों को त्वरित और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। गुरुवार को कलेक्टर ने पेद्दापल्ली शहर स्थित आरटीओ कार्यालय और उप-पंजीयक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। आरटीओ कार्यालय में उन्होंने प्रतिदिन बुक होने वाले स्लॉट, ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया, वाहन पंजीकरण व अन्य सेवाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सेवाएं नियमों के अनुसार, पारदर्शी तरीके से और सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि सेवाओं में किसी भी प्रकार की देरी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधिकारी जिम्मेदारी से काम करें।

इसके बाद उन्होंने उप-पंजीयक कार्यालय का निरीक्षण कर दैनिक पंजीकरणों का विवरण देखा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीकरण कार्य शीघ्र निपटाएं और लोगों को लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। उन्होंने चेतावनी दी कि कर्तव्यों में लापरवाही बरतने पर कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक पंजीकरण सरकार द्वारा हाल ही में संशोधित बाजार मूल्यों के अनुरूप और नियमानुसार ही किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के लिए कार्यालयों में अनुकूल माहौल बनाकर सेवा की गुणवत्ता में सुधार किया जाए और सभी आवेदन तय समय-सीमा में निपटाए जाएं। निरीक्षण के दौरान उप-पंजीयक कार्यालय व आरटीओ कार्यालय के कर्मचारी तथा संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

बांसवाड़ा में 43 लाभार्थियों को 12.86 लाख के सीएमआरएफ चेक वितरित

बांसवाड़ा, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चर एडवाइजर एवं बांसवाड़ा विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को बांसवाड़ा टाउन स्थित अपने आवास पर विधानसभा क्षेत्र के 43 मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) लाभार्थियों को 12.86 लाख रुपये के चेक वितरित किए। विधायक ने बताया कि बांसवाड़ा ग्रामीण मंडल के 6 लाभार्थियों को 2.03 लाख, बांसवाड़ा नगर पालिका के 2 लाभार्थियों को 34 हजार, बिरकुर मंडल के 3 लाभार्थियों को 1.12 लाख, नसुरुल्लाबाद मंडल के 5 लाभार्थियों को 1.31 लाख, मोसरा मंडल के 3 लाभार्थियों को 60,500, चंदूर मंडल के 5 लाभार्थियों को 1.25 लाख, वर्णी मंडल के 4 लाभार्थियों को 1.81 लाख, रुद्रूर मंडल के 9 लाभार्थियों को 2.39 लाख, कोटागिरी मंडल के 4 लाभार्थियों को 1.34 लाख तथा पोथंगल मंडल के 2 लाभार्थियों को 65,500 रुपये के चेक दिए गए। इस अवसर पर बिरकुर मार्केट कमेटी के चेयरमैन श्यामला, नेता एजास, कृष्णा रेड्डी, अलीमोद्दीन बाबा, यंदी, दाऊद, वहाब, पार्षद हकीम, वेंकट, राजशेखर सहित विभिन्न मंडलों के जनप्रतिनिधि और नेता उपस्थित थे।

महाप्रस्थान का संचालन ट्रस्ट से कराना गैरकानूनी : भाजपा पार्षद

मंचेरियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल भाजपा नगर परिषद के पार्षदों मुकेश गोड, कस्तूरी नागराजू और बोटला अनिता ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए।

पार्षदों ने कहा कि जनता के टैक्स, नगर निगम के जनरल फंड तथा केंद्र-राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित महाप्रस्थान का संचालन किसी ट्रस्ट के माध्यम से किया जाना कानून के विरुद्ध है।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय विधायक प्रेम सागर राव की अध्यक्षता में गठित ट्रस्ट द्वारा महाप्रस्थान का संचालन लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है। जब वैकुंठधाम, जलापूर्ति, बिजली सहित सभी सुविधाओं का खर्च नगर निगम के फंड से हो रहा है, तब ट्रस्ट के नाम पर लोगों से हजारों रुपये शुल्क वसूलना सरकारी संपत्ति को व्यावसायिक केंद्र बनाने जैसा है।

भाजपा पार्षदों ने यह भी कहा कि महाप्रस्थान परिसर का उपयोग सत्तारूढ़ दल के नेताओं की बैठकों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि महाप्रस्थान को पूरी तरह नगर निगम के प्रशासनिक नियंत्रण में लाया जाए।पार्षदों ने कहा कि जब सरकारें विशिष्ट व्यक्तियों का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराती हैं, तो जनता के टैक्स से बने महाप्रस्थान में आम नागरिकों को भी सम्मानजनक अंतिम संस्कार की सुविधा मिलनी चाहिए। इसी उद्देश्य से उन्होंने दाह-संस्कार शुल्क केवल 1 रुपये निर्धारित करने की मांग की।

शिक्षकों को मिड-डे मील नहीं, डीए और पीआरसी चाहिए : टीटीए

बांसवाड़ा, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना टीचर्स एसोसिएशन (टीटीए) कामारेड्डी के जिला अध्यक्ष भुनेकर संतोष ने राज्य सरकार के उस निर्णय पर हैरानी जताई है जिसमें सरकारी शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों और फैकल्टी को मिड-डे मील देने की बात कही गई है। उन्होंने सवाल किया कि शिक्षकों को मिड-डे मील देने की मांग किसने की थी। संतोष ने कहा कि शिक्षकों को स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं, पूरा शिक्षण स्टाफ, लंबित छह महंगाई भत्ते (डीए) और तीन साल से लंबित वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) का तत्काल क्रियान्वयन चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना किसी मांग के शिक्षकों को मिड-डे मील देने का प्रस्ताव बेमतलब है। जिला अध्यक्ष ने राज्य सरकार से मांग की कि लंबित डीए और पीआरसी की तत्काल घोषणा कर उन्हें लागू किया जाए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आप-को कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 जुलाई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रात: 11:23 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रात: 11:47 तक
योग : विष्कुंभ सायं 04:59 तक
करण : विष्टि प्रात: 11:23 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 12:49 तक
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:26 , भद्रा प्रात: 11:23 तक , पंचक चालू रात्रि 12:49 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ध्यान : सफलता भी, शांति भी

सफलता के साथ मन के भीतर शांति मिलना मुश्किल होता है। आज के अधिकतर युवाओं के साथ यही समस्या है कि वे सफल तो हो रहे हैं लेकिन उस सफलता में कहीं शांति नहीं है। सफलता के साथ शांति का सबसे बेहतरीन मार्ग बौद्ध धर्म में बताया गया है। बौद्ध धर्म ने हर परेशानी का हल ध्यान में तलाशने का प्रयास किया है और इसमें वे काफी हद तक सफल भी हुए हैं। बौद्ध धर्म ने अपना सारा ध्यान मेडिटेशन पर ही केंद्रीत किया है। मन को शांति तब मिलती है जब आप को किए गए काम में आनंद भी आ रहा हो। कई लोगों के साथ परेशानी यह भी है कि जो काम वे कर रहे हैं, उसे एक बोझ या केवल काम मान कर ही कर रहे हैं। बौद्ध धर्म ध्यान के जरिए पहले किसी भी काम में अपनेआप को डुबोने और फिर उसमें आनंद तलाशने को कहता है। जब काम में आनंद आने लगे तो सफलता अपनेआप मिल जाती है। इस सफलता में शांति भी होती है। बौद्ध धर्म कहता है कि हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में थोड़ी देर मेडिटेशन भी करना चाहिए। अपनी दिनचर्या को कुछ ऐसे प्लान करें कि उसमें सुबह या शाम का थोड़ा समय ध्यान के लिए रहे। ध्यान से मन एकाग्र होगा, शरीर शांत और मन केंद्रीत रहेगा। इससे हमें ऊर्जा तो मिलेगी ही, साथ हम जो भी काम कर रहे हैं, समें बेहतर परिणाम मिलेंगे। बोद्ध धर्मा का आधार ही ध्यान है। इसी में उनकी सफलता का मूल मंत्र और रहस्य छिपा हुआ है।

आस्था है तो मूर्ति में भी दिखेंगे भगवान

आपके घर में भगवान की बहुत सी तस्वीर लगी होगी। पूजा घर में देवी-देवताओं की कुछ मूर्तियां भी हो सकती हैं लेकिन कभी आपने महसूस किया है कि मूर्तियां और तस्वीर जीवित हो उठी हैं अर्थात वह जड़ अवस्था को छोड़कर चेतन जान पड़ने लगे हैं। हो सकता है कुछ ने ऐसा महसूस किया हो। अगर आपने महसूस किया है तो यह समझ लीजिए कि जिस घड़ी आपने ईश्वर को चेतन जाना उस समय वास्तव में ईश्वर उस मूर्ति में वर्तमान थे। जब आपने उन्हें मात्र मूर्ति मानकर पूजा किया तो वह मात्र मूर्ति बने रहे। बहुत से लोग यह कहते हैं कि हमने भगवान की मूर्ति को लड्डू का भोग लगाया, सुबह-शाम धूप-दीप दिखाया लेकिन ईश्वर ने मेरे लिये किया क्या। वास्तव में यह ईश्वर की गलती नहीं है कि आपकी पूजा का फल आपको नहीं मिला।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक व्यक्ति हर दिन सुबह शाम गणेश जी की पूजा करता है। धूप-दीप दिखाता। लेकिन कई वर्षों तक पूजा करने के बाद भी उसे जब कुछ लाभ नहीं दिखा तो गणेश जी से नाराज हो गया। इस व्यक्ति ने गणेश जी की पूजा बंद करके लक्ष्मी माता की पूजा शुरू कर दी। इसने देखा कि जो धूप दीप वह लक्ष्मी मां को दिखा रहा है उसका धुआं गणेश जी के पास भी जा रहा है। वह झट से रूई लेकर आया और गणेश जी नाक में लगा दिया, ताकि गणेश जी को धूप-दीप का गंध भी नहीं मिले। गणेश जी की मूर्ति जड़ से चेतन अवस्था में आकर हंसने लगी। व्यक्ति बड़ा हैरान हुआ कि, आखिर जब तक मैं धूप-दीप दिखाकर गणेश जी की पूजा करता रहा तब तो गणेश जी नहीं आये, लेकिन आज जब मैंने उनकी नाक रूई से बंद कर दी तो गणेश जी भला कैसे मूर्ति में प्रकट हो गये। गणेश जी अपने भक्त के मन की बात समझ गये और बोले जब तक तुम मुझे जड़ मानते रहे अर्थात मिट्टी की मूर्ति मानकर पूजते रहे तब तक मैं जड़ बना रहा। आज तुमने मेरी नाक में रूई लगाया ताकि मैं धूप-दीप का गंध न प्राप्त कर संकू. इसका मतलब है कि तुमने आज मुझे चेतन अर्थात जीवित मान लिया है, बस यही कारण है कि मैं तुम्हारे सामने जीवित उपस्थित हूं। यानी ईश्वर की मूर्ति में चावल लेकर संस्कृत के कुछ मंत्र बोलकर मूर्ति पर चावल फेंकने से ईश्वर की मूर्ति में प्राण का संचार नहीं होता है। मूर्ति में प्राण का संचार हमारी आस्था से होता है। अगर बाजार से मूर्ति खरीदकर ले आयें और पूर्ण आस्था से मूर्ति को साक्षात मानकर उनकी पूजा करने लगें तो मूर्ति में भी ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। मूर्ति पर मंत्र द्वारा चावल फेंककर प्राण प्रतिष्ठा का तात्पर्य भी यही है कि व्यक्ति में यह विश्वास उत्पन्न हो कि मूर्ति में भगवान प्रवेश कर चुके हैं।

गुड का दान करने से दरिद्रता का नाश होता है

श्राद्ध पक्ष में दान की महिमा के बारे में बताया गया है। इन दिनों क्या दान करना चाहिए और क्यों? इस बारे में हमारे पौराणिक ग्रंथों में विस्तार से उल्लेख मिलता है। श्राद्ध पक्ष में दान की महिमा के बारे में बताया गया है। इन दिनों क्या दान करना चाहिए और क्यों? इस बारे में हमारे पौराणिक ग्रंथों में विस्तार से उल्लेख मिलता है। वैसे, इन दिनों अनाज का दान करना शुभ माना गया है। अनाज में गेहूं, चावल का दान गरीबों और ब्राह्मणों को किया जाता है। इसके पीछे मंशा यह रहती है कि कोई भी व्यक्ति इन दिनों में भूखा न रहे। नमक का दान भी कर सकते हैं। इससे पितर जल्द प्रसन्न होते हैं। इन दिनों में नमक का दान करना बेहद उपयुक्त माना गया है। तिल का दान भी श्रेष्ठ माना गया है। विशेष तौर पर काले तिल का दान करने से नकारात्मक शक्तियों का साया और संकट, विपदाओं से निजात मिलती है। यदि व्यक्ति को किसी तरह की आर्थिक समस्या नहीं है तो वह सोने-चांदी का भी दान ब्राह्मणों और जरूरतमंद लोगों को कर सकता है। सोने का दान करने से घर में कलह-क्लेश नहीं आता है। वहीं चांदी का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इसके अलावा गुड़, घी, भूमि का दान भी कर सकते हैं। गुड़ का दान करने से दरिद्रता का नाश होता है। घी का दान करना शुभ माना गया है। भूमि दान करने से आर्थिक रूप से संपन्नता आती है। इन सभी में गौ दान का सबसे ज्यादा पुण्यदायक माना गया है। क्योंकि गौ दान करने से सुख-संपत्ति मिलती है।

जब दो ब्रम्हास्त्रों का सामना हुआ

महाभारत का युद्ध समाप्त हो चुका था. कौरवों की ओर से केवल तीन महारथी हीं जीवित बचे थे – अश्वत्थामा, कृपाचार्य और कृतवर्मा। दुर्योधन की मृत्यु से दुखी अश्वत्थामा ने पांडवों को छल से मारने की प्रतिज्ञा की. उसने दुर्योधन को मरते हुए वचन दिया था कि जैसे भी हो वो पांचों पांडवों को अवश्य मार डालेगा।

कृपाचार्य ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की पट अंतत: उन्होंने भी उसका साथ देने की स्वीकृति भर दी। युद्ध के समाप्त होने के पश्चात् कृष्ण पाँचों पांडवों को गंगा तट पर जागरण के लिए ले गए थे और उनके शिविर में उनके पाँचों पुत्र प्रतिविन्ध्य, सुतसोम, श्रुत्कार्मन, शतानीक एवं श्रुतसेन सोए हुए थे। इसकी जानकारी अश्वत्थामा को नहीं थी। उसे लगा कि पांडव हीं वहां सोए हुए हैं। उन्होंने इस पाँचों को सोते हुए हीं पांडव समझ कर मार डाला और प्रसन्नतापूर्वक लौट गए। उनके साथ साथ उन्होंने वहां विश्राम कर रहे सरे योद्धाओं को मौत के घाट उतार दिया जिसमे ध्रिस्त्धुम्न और शिखंडी भी थे।

जब पांडव और द्रौपदी वापस आए तो उपने पुत्रों को मारा हुआ देख द्रौपदी विलाप करने लगी। उसके क्रोध का ठिकाना नहीं रहा। उसने पांडवों से कहा कि जब तक वो अश्वत्थामा का मारा हुआ मुख नहीं देख लेती वो अन्न जल ग्रहण नहीं करेगी।

अश्वत्थामा को पकडने के लिए पांडव चल दिए जो भागता हुआ महर्षि व्यास के आश्रम में पहुँच चुका था। वहां पहुंचकर भीम ने उससे युद्ध कर उसे परस्त किया। अपने पिता आचार्य द्रोण के वरदान के कारण अश्वत्थामा अमर था। उसे ब्रम्हास्त्र का ज्ञान भी था। उसने पांडवों को समाप्त करने के लिए उनपर ब्रम्हास्त्र चला दिया। पांडवों में ब्रम्हास्त्र का ज्ञान केवल अर्जुन को था। जब कृष्ण ने देखा कि ये ब्रम्हास्त्र पांडवों को मार कर हीं रहेगा तो उन्होंने विवश होकर अर्जुन से भी ब्रम्हास्त्र चलने को कहा क्योंकि एक ब्रम्हास्त्र का सामना केवल दूसरा ब्रम्हास्त्र हीं कर सकता था लेकिन इससे पूरी पृथ्वी का विनाश हो जाता। जब महर्षि व्यास ने देखा कि दोनों ब्रम्हास्त्र टकराने हीं वाले हैं तो उन्होंने देवर्षि नारद की सहायता से दोनों ब्रम्हास्त्रों को रोक दिया। उन्होंने अर्जुन और अश्वत्थामा को समझाया कि इससे पूरी पृथ्वी का विनाश हो जाएगा और उन दोनो को अपना ब्रम्हास्त्र वापस लेने को कहा।

उनकी आज्ञा मान कर अर्जुन ने तो अपना ब्रम्हास्त्र वापस ले लिए किन्तु अश्वत्थामा ब्रम्हास्त्र को वापस लेने कि कला नहीं जानता था। महर्षि व्यास ने कहा कि अगर वो अपना ब्रम्हास्त्र वापस नहीं ले सकता तो उसकी दिशा बदल कर उसके प्रभाव को सीमित कर दे। बदले की भावना में जलते अश्वत्थामा ने अपने ब्रम्हास्त्र की दिशा बदल कर उसे अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ पर गिरा दिया जिससे उसके गर्भ से एक मृत शिशु का जन्म हुआ।

उसके इस कृत्य से पांडव बडे क्रोधित हुए। वो ब्राम्हण था और अमर भी इस लिए वो उसका वध तो नहीं कर सकते थे इसलिए उन्होंने उसके मस्तक की मणि लेकर उसे आजीवन भटकने के लिए छोड़ दिया। बाद में कृष्ण की कृपा से उस शिशु को नया जीवनदान मिला जिससे उसका नाम जन्मेजय पडा।

दुर्वासा ऋषि

दुर्वासा हिंदुओं के एक महान ऋषि हैं। वे अपने क्रोध के लिए जाने जाते हैं। दुर्वासा सतयुग, त्रैता एवं द्वापर तीनों युगों के एक प्रसिद्ध सिद्ध योगी महर्षि हैं। वे महादेव शंकर के अंश से आविर्भूत हुए हैं। कभी-कभी उनमें अकारण ही भयंकर क्रोध भी देखा जाता है। वे सब प्रकार के लौकिक वरदान देने में समर्थ हैं।

महर्षि अत्रि जी सृष्टिकर्ता ब्रह्माजी के मानस पुत्र थे। उनकी पत्नी अनसूयाजी के पातिव्रत धर्म की परीक्षा लेने हेतु ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ही पत्नियों के अनुरोध पर श्री अत्री और अनसूयाजी के चित्रकुट स्थित आश्रम में शिशु रूप में उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी चंद्रमा के रूप में, विष्णु दत्तात्रेय के रूप में और महेश दुर्वासा के रूप में उपस्थित हुए। बाद में देव पत्नियों के अनुरोध पर अनसूयाजी ने कहा कि इस वर्तमान स्वरूप में वे पुत्रों के रूप में मेरे पास ही रहेंगे। साथ ही अपने पूर्ण स्वरूप में अवस्थित होकर आप तीनों अपने-अपने धाम में भी विराजमान रहेंगे। यह कथा सतयुग के प्रारम्भ की है। पुराणों और महाभारत में इसका विशद वर्णन है। दुर्वासा जी कुछ बडे हुए, माता-पिता से आदेश लेकर वे अन्न जल का त्याग कर कठोर तपस्या करने लगे। विशेषत: यम-नियम, आसन, प्राणायाम, ध्यान-धारणा आदि अष्टांग योग का अवलम्बन कर वे ऐसी सिद्ध अवस्था में पहुंचे कि उनको बहुत सी योग-सिद्धियां प्राप्त हो गई। अब वे सिद्ध योगी के रूप में विख्यात हो गए। तत्पश्चात् यमुना किनारे इसी स्थल पर उन्होंने एक आश्रम का निर्माण किया और यहीं पर रहकर आवश्यकता के अनुसार बीच-बीच में भ्रमण भी किया। दुर्वासा आश्रम के निकट ही यमुना के दूसरे किनारे पर महाराज अम्बरीष का एक बहुत ही सुन्दर राजभवन था। एक बार राजा निर्जला एकादशी एवं जागरण के उपरांत द्वादशी व्रत पालन में थे। समस्त क्रियाएं सम्पन्न कर संत-विप्र आदि भोज के पश्चात भगवत प्रसाद से पारण करने को थे कि महर्षि दुर्वासा आ गए। महर्षि को देख राजा ने प्रसाद ग्रहण करने का निवेदन किया, पर ऋषि यमुना स्नान कर आने की बात कहकर चले गए। पारण काल निकलने जा रहा था। धर्मज्ञ ब्राह्मणों के परामर्श पर श्री चरणामृत ग्रहण कर राजा का पारण करना ही था कि ऋषि उपस्थित हो गए तथा क्रोधित होकर कहने लगे कि तुमने पहले पारण कर मेरा अपमान किया है। भक्त अम्बरीश को जलाने के लिए महर्षि ने अपनी जटा निचोड़ क्रत्या राक्षसी उत्पन्न की, परन्तु प्रभु भक्त अम्बरीश अडिग खडे रहे। भगवान ने भक्त रक्षार्थ चक्र सुदर्शन प्रकट किया और राक्षसी भस्म हुई। दुर्वासाजी चौदह लोकों में रक्षार्थ दौड़ते फिरे। शिवजी की चरण में पहुंचे। शिवजी ने विष्णु के पास भेजा। विष्णु जी ने कहा आपने भक्त का अपराध किया है। अत:यदि आप अपना कल्याण चाहते हैं, तो भक्त अम्बरीश के निकट ही क्षमा प्रार्थना करें।

जब से दुर्वासाजी अपने प्राण बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे, तब से महाराज अम्बरीशने भोजन नहीं किया था। उन्होंने दुर्वासाजी के चरण पकड़ लिए और बड़े प्रेम से भोजन कराया। दुर्वासाजी भोजन करके तृप्त हुए और आदर पूर्वक राजा से भोजन करने का आग्रह किया। दुर्वासाजी ने संतुष्ट होकर महाराज अम्बरीश के गुणों की प्रशंसा की और आश्रम लौट आए। महाराज अम्बरीश के संसर्ग से महर्षि दुर्वासा का चरित्र बदल गया।

अब वे ब्रह्म ज्ञान और अष्टांग योग आदि की अपेक्षा शुद्ध भक्ति मार्ग की ओर झुक गए। महर्षि दुर्वासा जी शंकर जी के अवतार एवं प्रकाश हैं। शंकर जी के ईश्वर होने के कारण ही उनका निवास स्थान ईशापुर के नाम से प्रसिद्ध है। आश्रम का पुनर्निर्माण त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद्भक्ति वेदान्त गोस्वामी जी ने कराया।

सम्प्रति व्यवस्था सन्त रास बिहारी दास आश्रम पर रह कर देख रहे हैं। ब्रज मण्डल के अंतर्गत प्रमुख बारह वनों में से लोहवनके अंतर्गत यमुना के किनारे मथुरा में दुर्वासाजी का अत्यन्त प्राचीन आश्रम है। यह महर्षि दुर्वासा की सिद्ध तपस्या स्थली एवं तीनों युगों का प्रसिद्ध आश्रम है। भारत के समस्त भागों से लोग इस आश्रम का दर्शन करने और तरह-तरह की लौकिक कामनाओं की पूर्ति करने के लिए आते हैं।

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है 'मैं'। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि 'जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है' तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा। रावण विद्वान होने के साथ ही महापराक्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं 'मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है' अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा। पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मन:स्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

नित्य काशी में स्नान करते हैं भगवान दत्तात्रेय

आज भगवान दत्तात्रेय की जयंती है। दत्तात्रेय ऋषि अत्रि और देवी अनुसूया के पुत्र हैं। ब्रह्माण्ड पुराण की कथा के अनुसार देवी अनुसूया के पतिव्रत से प्रसन्न होकर त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश ने उनके घर पुत्र रूप में जन्म लेने का वरदान दिया। इस वरदान के फलस्वरूप ब्रह्मा चन्द्रमा रूप में, शिव जी ऋषि दुर्वासा के रूप में तथा भगवान विष्णु दत्तात्रेय के रूप में अवतरित हुए। श्रीमद्भागवत में भी इस कथा का उल्लेख मिलता है।

चन्द्रमा एवं ऋषि दुर्वासा ने तपस्या पर जाने से पूर्व अपना तेज और बल दत्तात्रेय को प्रदान कर दिया। इसके कारण दत्तात्रेय में ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश एकाकार हो गये। पुराण के अनुसार भगवान दत्तात्रेय जीवन-मरण के चक्र से मुक्त हैं और आज भी योगबल से संसार में भ्रमण करते हैं। मान्यता है कि दत्तात्रेय प्रतिदिन प्रात: काशी में गंगा-स्नान करते हैं। कोल्हापुर में नित्य जप और माहुरीपुरमें भिक्षा ग्रहण करते हैं। सह्याद्रि की कन्दराओं में यह विश्राम किया करते हैं। इसी मान्यता के कारण काशी स्थिति मणिकर्णिकाघाट की दत्तपादु को इनके भक्त पूजनीय स्थान मानते हैं।

तन्त्र शास्त्र के मूल ग्रन्थ रुद्रयामल के हिमवत् खण्ड में इस बात का उल्लेख किया गया है कि दत्तात्रेय भगवान सच्चे मन से ध्यान करने मात्र से भक्तों के कष्ट दूर करते हैं। इसलिए इन्हें स्मृतिगामी भी कहा जाता है। इनके विषय में मान्यता है कि यह प्रात: काल में ब्रह्मा रूप में रहते हैं। दोपहर में विष्णु रूप में तथा शाम के समय शिव रूप में विराजते हैं। भगवान दत्तात्रेय की तस्वीरों में उनके साथ एक गाय और चार कुत्ते दिखाये जाते हैं। मान्यता है कि जब यह अनुसूया के घर अवतरित हुए तब धरती ने गाय एवं वेदों ने कुत्ते का स्वरूप धारण कर लिया और अपने संरक्षण के लिए दत्तात्रेय के साथ रहने लगे।

सुझाव

टॉक्सिन फ्री उपायों से दिखें खूबसूरत

फिट रहें

खूबसूरत दिखने के लिए सबसे जरूरी है कि आप फिट रहें। इसके लिए आपको रोजाना व्यायाम की आदत डालनी होगी। इससे शरीर में रक्त संचार बढ़ता है और आप फिट रहते हैं। व्यायाम की शुरुआत में पहले धीरे-धीरे खुद को प्रेरित करें। जब आपको इसकी आदत हो जाएगी तो आप खुद ही बिना व्यायाम किए कुछ अधूरापन महसूस करेंगे।

ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए कॉस्मेटिक पर निर्भर रहती है और सच भी है कि यह कॉस्मेटिक आपको कम समय में खूबसूरत बना देते हैं। इन कॉस्मेटिक में कई ऐसी चीजें मिली होती हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। खूबसूरत दिखने के लिए अगर आप कुदरती चीजों की मदद लें तो आपका निखार बिना किसी समस्या के लंबे समय तक टिक सकता है। प्राकृतिक चीजों में वो सभी गुण होते हैं जो आपको स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चाहिए आइए जानें खूबसूरत दिखने के उन तरीकों के बारे में जो आपको टॉक्सिन से बचाएंगे।

बालों की देखभाल: बालों की प्राकृतिक रुप से देखभाल करने के लिए नारियल तेल का प्रयोग करना अच्छा होता है। यह कंडीशनर की तरह काम करता है। नारियल तेल बालों से केराटिन को खोने से बचाता है। नमी बनाए रखने के लिए साथ में शहद मिलाएं। एक छोटे कप में नारियल तेल और शहद मिला लें और गर्म पानी के एक बड़े कटोरे में यह कप रख दें। मिश्रण जब तक गर्म न हो जाए तब तक कप को कुछ मिनट के लिए पानी में ही रखें। इस मिश्रण को बालों पर डालें, लेकिन बालों को तौलिए से लपेट लें। 20 मिनट तक ऐसे ही रहें और फिर धो लें।

त्वचा की देखभाल: अगर आप हर रोज कुदरती चीजों से खुद को निखारेंगी तो आपको कॉस्मेटिक की जरूरत कम पड़ेगी। शहद, नींबू का रस और गुलाब जल डालकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन, बांहों पर लगाएं और एक घंटे के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो दें। ऐसा सप्ताह में दो बार करने से चेहरे का सांवलापन दूर होकर रंग निखर आएगा। नींबू व संतरे के छिलकों को सुखाकर चूर्ण बना लें। इस पाउडर को हफ्ते में एक बार बिना मलाई के दूध में मिलाकर लगाएं, त्वचा में आकर्षक चमक आएगी।

नाखूनों की देखभाल: नाखूनों की देखभाल के लिए नाखूनों पर एक हफ्ते से ज्यादा दिनों के लिए नेल पॉलिश को न लगा रहने दें। अगर नेल पॉलिश ज्यादा समय के लिए नाखून पर रहती हैं तो वह नाखूनो की सतह को खराब बना देती है। साथ ही नाखून बदरंग और अस्वस्थ्य हो जाते हैं। अपने नाखूनों को चमकदार और स्वस्थ्य बनाने के लिए उसकी हमेशा नारियल और अरंडी तेल से मसाज करती रहें।

होठों की देखभाल: हर रोज 5 से 6 ग्लास पानी पिएं। पानी न सिर्फ शरीर में पानी की पूर्ति करता है बल्कि होंठों की नमी भी बनाए रखता है। रात को सोने से होंठों पर क्रीम, मलाई, मक्खन या देशी घी हल्के हाथों से कुछ देर मलें। होंठों की त्वचा इससे एक जैसी होकर मुलायम बनी रहेगी।

साड़ी एक सदाबहार परिधान है। यह आपको बिंदास और सेक्सी लुक देती है। छह गज लंबी साड़ी को आप अलग-अलग अंदाज में पहन सकते हैं और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकते हैं। जिससे कि शादी में जाने तक ड्रेस, फुटवियर आदि की कोई समस्या न हो, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि हम अपने लिए ड्रेस के अनुसार ज्वैलरी का चुनाव नहीं कर पाते है। परिधान के अनुरुप ज्वैलरी के सिलेक्शन इस लेख में दिया जा रहा है।

अपनाएं नए तरीके साड़ी पहनने के

शादियों का सीज़न शुरू हो चुका हैं, सभी महिलाएं शादी में सुंदर दिखने की कोशिश करती है। शादियों में सबसे बड़ी परेशानी जो हर महिला को झेलनी पड़ती है वह है कि ऐसे क्या कपड़े पहने जो पहनने में आरामदायक भी हो और जिससे आपकी खूबसूरती में चार चांद भी लगे। शादियों में हमें कोशिश करनी चाहिए की हम वेस्टर्न कपड़ों से बचे। ऐसे में साड़ी एक सदाबहार परिधान है। यह आपको बिंदास और सेक्सी लुक देती है। छह गज लंबी साड़ी को आप अलग-अलग अंदाज में पहन सकती हैं। और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। साड़ी को आकर्षक अंदाज से पहनने संबंधी ये सुझाव दिए हैं। साड़ी को अलग अंदाज से पहनने का एक तरीका केप स्टाइल है। सुनहरी जरी वाली काले या तटस्थ रंग जैसे भूरे, नीले आदि रंग की साड़ी को शादी समारोह में आकर्षण का केंद्र बनने के लिए केप स्टाइल में पहन सकती हैं। केप स्टाइल में साड़ी के पल्लू को कंधे पर से ले जाकर गर्दन में लपेट लीजिए या फिर गर्दन तक का कॉलर वाला ब्लाउज पहन लें।

लो नेकलाइन कॉलर ब्लाउज

खूबसूरत डिजाइन वाला लो नेकलाइन कॉलर ब्लाउज पहनें और इसके साथ भड़कीला गले का हार पहन लीजिए। यह स्टाइल आपको बिंदास और आकर्षक लुक देगा।

वेलवेट जैकेट

सर्दी से बचने और राजसी लुक पाने के लिए वेलवेट जैकेट भी आपके लिए मुफीद रहेगा।

एथनीक श्रग या जैकेट

साड़ी के ऊपर से एथनीक श्रग या जैकेट पहनकर भी आप स्मार्ट लुक पा सकती हैं। साड़ी के ऊपर स्लीवलेस या कॉलर वाला जैकेट, पेपलम वेस्टकोट आदि को आप कैजुअल तौर पर या शादी, पार्टी में भी पहन सकती हैं।

काउल टॉप

इंडो-वेस्टर्न लुक में नजर आने के लिए आप चाहे तो काउल टॉप पहन सकती हैं। छरहरी काया की दुल्हन अगर साड़ी के ऊपर यह टॉप पहनती हैं तो उनके ऊपर यह खूब खिलेगा। यह हैवी साड़ियों और हल्की साड़ियों दोनों के साथ पहना जा सकता है।

इन टिप्स से करें ज्वैलरी का चुनाव

मैरिज पार्टी में सभी चाहते है कि वह सबसे अलग दिखे। जिसके लिए हम की दिनों पहले से तैयारी शुरु कर देते है। जिससे कि शादी में जाने तक ड्रेस, फुटवियर आदि की कोई समस्या न हो, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि हम अपने लिए ड्रेस के अनुसार ज्वैलरी का चुनाव नहीं कर पाते है।शादियों के सीजन में आभूषणों का चयन करने के बारे में कुछ टिप्स दिए है। दुल्हन पीला सोना और हरे रत्न जैसे पन्ना, तुर्मलिन जड़े आभूषण पहन सकती है, क्योंकि यह उसके सुर्ख लाल जोड़े पर और खिलेगा और उसे आकर्षक लुक देगा।रिसेप्शन की शाम को आप व्हाइट गोल्ड के आसपास जड़े हीरे और बीच में बड़ा सा पन्ना जड़ा हुआ कॉकटेल रिंग पहन सकती हैं नीले रंग के परिधान आपके हरे रंग के आभूषण के साथ खूब खिलेंगे, आप चाहे तो कुछ एक्वामैरीन या नीले रंग के तंजेनाइट जड़े रत्न के साथ हरे रंग के आभूषण पहन सकती है। नीले और हरे रंग का कंट्रास्ट बरबस ही सबका ध्यान आकर्षित कर लेता है। हरे रंग के रत्न जड़े आभूषण लाल, गुलाबी, पीले, नीले और यहां तक कि काले रंग के परिधान पर भी जंचते हैं। आभूषणों का चयन रत्नों के आकार, डिजाइन, धातु का रंग, परिधान का रंग और इसकी कढ़ाई को ध्यान में रखकर ही करें।

सौंफ के इन अनगिनत फायदों के बारे में नहीं जानते आप

ज्यादातर घरों में सौंफ का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कैल्शियम, आयरन और पोटाशियम जैसे गुण पाए जाते हैं। सौफ शरीर के लिए काफी फायदेमंद होती है। इससे सेहत से जुड़ी बहुत सी परेशानियों से बचा जा सकता है। आइए जाने इसके फायदे।

1. अफारा हो जाए तो सौंफ को पानी में उबाल कर इसके पानी का 1-1 चम्मच थोड़ी-थोड़ी देर में लेते रहें।
2. बुखार होने पर सौंफ को पानी में उबाल कर 2-2 चम्मच लेने से बुखार बढ़ता नहीं है।
3. कब्ज और खट्टे डकार आने पर इसके चूर्ण को गुणगुणे पानी के साथ लें।
4. पेट में भारीपन होने पर नींबू के रस में भीगी हुई सौंफ खाएं।
5. सौंफ,मिश्री और बादाम को बराबर मात्रा में मिलाकर पीस लें। रोजाना रात को इस मिश्रण का 1 चम्मच खाना खाने के बाद दूध के साथ सेवन करें। इससे आंखों की रोशनी बढ़ेगी।
6. शरीर में फालतू चर्बी को कम करने में सौंफ बेहद कारगर है। यह बॉडी में मैटाबॉलिजम को बढ़ा कर वजन घटाने में मदद करती है। सौंफ के साथ काली मिर्च का सेवन करने से वजन कम होता है।
7. खाना खाने के बाद सौंफ के साथ मिश्री का सेवन करने से फायदा होता है। रात को गुनगुने पानी के साथ सौंफ के चूर्ण का सेवन करने से पेट की गैस ठीक हो जाती है।
8. नींद न आए तो दूध में सौंफ को उबाल कर इसमें शहद मिलाकर पीने से अच्छी नींद आती है।

मानसून में प्रैग्नेंट महिला की ऐसी होनी चाहिए डाइट

गर्भवती महिला के लिए यह समय बहुत ही खास होता है। ऐसे में उन्हें बरसाती मौसम में अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए। इस मौसम में गर्भवती महिला को जरूरी विटामिन, खनिज, कैल्शियम, प्रोटीन और कैलोरी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इस मौसम में खाने-पीने में की गई लापरवाही आपकी तबीयत खराब कर सकती है। आइए जाने मानसून में गर्भवती महिला को किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए।

1. बाहर के खाने में बैक्टीरिया होने की संभावना अधिक होती है इसलिए इसे खाने से बचें। दिन में 8-10 गिलास पानी पीएं। इसे उबालें और ठंडा कर पीएं।
2. मानसून में पत्तेदार सब्जियां से परहेज करें। इन सब्जियों में सेल्यूलोस होता है जो ठीक से पचता नहीं है।
3. इस मौसम में कटे हुए या खुले हुए फलों का सेवन न करें।
4. हमेशा ताजा खाना ही खाएं। तला हुआ खाना न खाएं क्योंकि इसे पचने में समय लगता है।
5. ताजे फलों को अपनी डाइट में शामिल करें। ये सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं।
6. खाना फ्रिज से बाहर निकालते ही न खाएं। इसे थोड़ी देर बाहर रखें और तभी खाएं जब इसका तापमान सामान्य हो जाए।
7. बरसात के मौसम में मांस, अंडा, नट्स, पालक, गाजर, आलू, मक्का, मटर, संतरे, अंगूर, तरबूज और जामुन, ब्रेड, अनाज, चावल का सेवन गर्भावस्था के दौरान अवश्य करना चाहिए।
8. लहसुन की चटनी का सेवन करें। इसके सेवन से शरीर का कौई रोग नहीं लगता।
9. गर्भवती महिला को गेहूं, ओट मिल और अनाज की ब्रेड का सेवन करना चाहिए।
10. अपने खाने में कम से कम नमक का इस्तेमाल करें।

भूख नहीं लग रही तो करें सिर्फ यह एक आसन

कुछ लोग खाने के वक्स अक्सर यह शिकायत करते हैं कि उनको भूख नहीं है। जैसे ही खाना सामने आता है, कुछ खाने का मन नहीं करता। इस समस्या से शारीरिक कमजोरी आ जाती है। इसके लिए लोग दवाइयों का भी सेवन करते हैं,जो कुछ देर के लिए तो कारगर होती हैं। जब इनको छोड़ दिया जाए तो दोबारा फिर से यह परेशानी हो सकती है। इसके लिए आप एक आसन करके भूख न लगने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

उत्तानपाद आसन

उत्तानपाद आसन पेट और भूख न लगने की परेशानी में बहुत कारगर है। इसे नियमित रूप से करने से कब्ज, पेट की गैस,एसीडिटी जैसी और भी बहुत सी परेशानियों से आराम मिल जाता है। यह आसन रोजाना करने से भूख बढ़ाने के लिए किसी भी तरह की दवाई खाने की कोई जरूरत नहीं पड़ती।

इस तरह करें उत्तानपाद आसन

- इस आसन को करने के लिए पहले जमीन पर बैठ जाएं और पैरों को आगे की तरफ फैलाएं। अब गहरी सांस लेकर पीठ के बल लेट जाएं। इस तरह लेटकर ही गर्दन को ऊपर की ओर उठाएं। अब धीरे-धीरे गर्दन को वापिस ले जाएं।
- इसे करने के लिए दूसरा तरीका भी अपनी सकते हैं। अब आप इसी तरह लेटकर दोनों पैरों को 30 डिग्री तक ऊपर उठाएं। धीरे-धीरे पैरों को नीचे लेकर आएं।

इस तरह आसन करने से आप कई तरह की परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं।

चेहरे पर अपनाएं ये नुस्खें, महीनेभर में रंग हो जाएगा गोरा!

खूबसूरत चेहरा और हैल्दी स्किन के साथ गोरा रंग किसे नहीं पसंद। सभी लड़कियों को गोरा रंग चाहिए होता है। इसके लिए लड़कियां काफी ट्रीटमेंट और तरीके अपनाती है, जो उनके आकर्षक दिखा सकें लेकिन चेहरे को सुंदर होने के बजाए भद्दा दिखाई देने लगता है। ऐसे में काम आते है कुछ घरेलू चीजें, जो स्किन को गोरा और स्वस्थ रखने का काम करता है। हम आपको इन्हीं चीजों के बारे में बताने जा रहे है, जिनका इस्तेमाल करने से महीने में ही चेहरे पर असर दिखाई देने लगेगा।

1. खीरा और जैतून तेल

खीरे को कद्दूकस करके उसमें 2 चम्मच जैतून का तेल मिला लें। फिर इस पेस्ट को मुंह और शरीर पर सप्ताह में मलें। इससे सांवली स्किन गोरी हो जाएगी।

2. सेब का रस और गुलाबजल

आधा कप सेब का रस और एक चम्मच गुलाबजल- दोनों को मिलाकर सांवली त्वचा पर लगाएं। इसका इस्तेमाल रोज करें । इससे चेहरे का रंग साफ होगा और धीरे-धीरे गोरा होने लगेगा।

3. बेसन और चंदन पाउडर

एक कटोरे में 4 चम्मच बेसन, आधा चम्मच चंदन पाउडर, एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच खीरे का रस और एक चम्मच कच्चा दूध मिलाकर सारे शरीर पर उबटन की तरह लगाएं। इससे काफी फायदा नजर आएगा।

4. मिल्क पाउडर और नींबू

गाजर के रस में एक चम्मच मिल्क पाउडर और 1 चम्मच नींबू का रस मिलाकर लगाने से त्वचा का सांवलापन दूर होगा।

5. चिरौंजी और दूध

आधा चम्मच चिरौंजी को दूध में पीसकर पेस्ट बना लें। फिर इसे दूध में मिलाकर फिर चेहरे और बांहों पर लगाएं। 15 मिनट बाद धो लें। समाप्त में दो बार ऐसा करें।

रेसिपी

मक्के की मफिन्स

सामग्री

एक कप मक्के का आटा, एक कप मैदा, एक कप चीनी पाउडर, चौथाई छोटी चम्मच बेकिंग पाउडर, एक चौथाई छोटी चम्मच बेकिंग सोडा, एक कप दही, आधा मक्खन, एक छोटी चम्मच वनीला एसेंस, एक कप टूटी-फ्रूटी ।

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में मक्के का आटा, मैदा, पाउडर चीनी, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा मिलाकर मिक्स कर लें । फिर एक दूसरे बाउल में दही, मक्खन, वनीला एसेंस डालकर अच्छे से मिलातें हुए फैंट लें । अब इसें पहले बाउल के मिश्रण डालकर अच्छी तरह से मिलाते हुए इसमें टूटी-फ्रूटी डालकर भी मिला ले। अब मफिन्स मेकर ले और उनके अंदर से बटर लगाकर चिकना कर लीजिए और साचों में तैयार मिश्रण डालकर ओवन को 180 डिग्री से.ग्रे. पर प्रिहीट पर करते हुए मफिन्स ट्रे को ओवन में रख दीजिए और 180 डि. से. पर 10 मिनट के लिए सैट कर दे। 10 मिनिट बाद चैक करे। मफिन्स अच्छे से गोल्डन ब्राउन हो गए हैं कि नही यदि हो गए है तो मफिन्स बनकर के तैयार हो गए है। अब इन्हें बाहर निकालकर थोड़ा ठंडा होने के बाद एक प्लेट में निकाल लीजिए।

काजू कतली

सामग्री

1.एक किलो काजू
2.पिसी हुई चीनी 750 ग्राम
3.इलायची का पाउडर
4.एक-दो चांदी का वर्क

विधि

सबसे पहले काजू को 5 से 6 घंटे के लिए पानी में भिगो दे। फिर पानी मे से निकालकर मिक्सी से बारीक पीस कर पेस्ट बना लीजिए। इस पेस्ट में पिसी चीनी मिला ले। एक कढ़ाई में काजू का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर तब तक चम्मच से चलाते रहे जब तक पेस्ट गाढ़ा नहीं हो जाता। फिर इलायची पाउडर डालिए। इसके बाद जब मिश्रण कढ़ाई के चारो तरफ सफेद और सूखा सा दिखने लगे तब गैस बंद कर दीजिये। फिर इसे एक प्लेट में निकाल ले और पतला पतला फैला दे। आप चाहे तो इसमें मेवे भी डाल सकती है। ठंडा होने के बाद उस पर वर्क लगाकर अपने मन पसंद आकार में काट ले।

संपादकीय

पर्यटक सीजन की घिसाई

हिमाचल में जून का महीना, कितना पसीना और कितना सुकून से जीना की अवधारणा से पर्यटन की मांग को निरूपित करता रहा है। हम मान सकते हैं कि विभिन्न पर्यटक स्थलों पर होटलों में ऑक्यूपेंसी सौ फीसदी चल रही है, लेकिन ऐसे उफनते पर्यटन से कितने किनारे टूटे, इस पर गौर नहीं। अगर ऑक्यूपेंसी सौ या सौ प्रतिशत से ऊपर है, तो इसके साइड व अशोभनीय फैक्टर भी होंगे। क्या सौ फीसदी या इससे ऊपर ऑक्यूपेंसी के रिकार्ड पर खुश हों या इस खनक से पैदा हुए खनन को पहचाने। एक पर्यटक वह भी है जो वाहनों को सडक़ किनारे खड़े करके बस स्टॉप या वर्षाश्रालय में पनाह लेता है। कुछ डेस्टिनेशन पर्यटक ऑक्यूपेंसी के साइड इफैक्ट के रूप में कहीं अन्यत्र चले जाते हैं। मसलन मकलोडगंज फुल हो गया, तो सैलानी कांगड़ा घाटी के अलग-अलग स्थानों को कूच कर जाते हैं, लेकिन ट्रैफिक जाम के सिलसिलों में पूरे सीजन की घिसाई हो गई। कहना न होगा कि बढ़ते पर्यटन से हिमाचल की सादगी, विनम्रता और सदाशयता को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया पर कोई वीडियो युद्ध चल रहा है। बेशक कुछ सिरफिरे पर्यटक भी सामाजिक, सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हिमाचल में माहौल खराब करते हैं, लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश की पर्यटन अधोसंरचना व व्यवस्था अपूर्णनीय व अक्षम है। बाहर से आने वाला पर्यटक किसी डेस्टिनेशन पर नहीं, बल्कि प्रवेश द्वार पर पर्यटक माना जाए, इसके लिए पंजीकरण तथा ऐप के जरिए संचालन चाहिए। प्रवेश द्वारों पर ही ऐप पर पंजीकरण से रूट तथा ठहराव चिन्हित हो और अगर किसी कारण कहीं अत्यंत भीड़ या अनियंत्रित भीड़ है, तो सैलानियों को विकल्प देकर उन्हें सहूलियत प्रदान की जाए। मकलोडगंज में रिहाइश न मिलने पर ही पर्यटक क्यों पालमपुर या समीपवर्ती स्थलों का रुख अख्तियार करे। यह तो पंजीकरण करते वक्त ही ऐप सुनिश्चित कर सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में सडक़ों के विकल्प, वन-वे परिवहन की सुविधा तथा होटलों में बुकिंग की स्थिति प्रदर्शित हो सकती है। पिछले कई सालों से प्रमुख पर्यटक स्थलों से खाली हाथ लौटते पर्यटकों की सहूलियत के लिए क्या किया। बिना बुकिंग के कई परिवार अगर भटकते हैं, तो उनके लिए रेस्ट हाउस बुकिंग का एक विकल्प पैदा करना होगा था इन्हें इमरजेंसी राहत का कोई आश्वासन मिलना चाहिए। सरकार जून के महीने में आपात की स्थिति में भूखे-प्यासे या बिना प्री बुकिंग के भटकते सैलानियों के लिए राहत का बंदोबस्त करे। इसके लिए रेस्ट हाउस व छात्रावासों में भुगतान के साथ इंतजाम हो सकता है। इसी सीजन में फॉरेस्ट विभाग के दखल से कुछ डाक बंगले अगर छह लाख कमा सकते हैं, तो एक तैयारी के तहत सारे रेस्ट हाउस शिरकत कर सकते हैं। जून का पर्यटक सीजन एक चुनौती बनता जा रहा है, लिहाजा सभी विभागों की समन्वय समितियां बना कर योजनाएं व बंदोबस्त होने चाहिएं। अगर बीते रविवार के दिन कांगड़ा बाइपास से सुरंग तक का सफर कठोरतम जाम में घंटों फंसा रहा, तो यह अनुभव प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में ऐसी तैयारी चाहता है ताकि सफर आसान व सुखद हो। इसी के साथ पर्यटन को क्षेत्रीय मर्यादाओं के अनुरूप अनुशासित करने की व्यवस्था कायम करनी होगी। हम पहाड़ को हुल्लड़बाजी का अड्डा बनते नहीं देख सकते। लेह प्रशासन अगर पेंगांग झील में पर्यटकों की स्टंटबाजी पर दो लाख का जुर्माना कर सकता है, तो हिमाचल के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा का पहरा कायम करना होगा।

हम मान सकते हैं कि विभिन्न पर्यटक स्थलों पर होटलों में ऑक्यूपेंसी सौ फीसदी चल रही है, लेकिन ऐसे उफनते पर्यटन से कितने किनारे टूटे, इस पर गौर नहीं। अगर ऑक्यूपेंसी सौ या सौ प्रतिशत से ऊपर है, तो इसके साइड व अशोभनीय फैक्टर भी होंगे। क्या सौ फीसदी या इससे ऊपर ऑक्यूपेंसी के रिकार्ड पर खुश हों या इस खनक से पैदा हुए खनन को पहचाने। एक पर्यटक वह भी है जो वाहनों को सडक़ किनारे खड़े करके बस स्टॉप या वर्षाश्रालय में पनाह लेता है। कुछ डेस्टिनेशन पर्यटक ऑक्यूपेंसी के साइड इफैक्ट के रूप में कहीं अन्यत्र चले जाते हैं। मसलन मकलोडगंज फुल हो गया, तो सैलानी कांगड़ा घाटी के अलग-अलग स्थानों को कूच कर जाते हैं, लेकिन ट्रैफिक जाम के सिलसिलों में पूरे सीजन की घिसाई हो गई। कहना न होगा कि बढ़ते पर्यटन से हिमाचल की सादगी, विनम्रता और सदाशयता को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया पर कोई वीडियो युद्ध चल रहा है। बेशक कुछ सिरफिरे पर्यटक भी सामाजिक, सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हिमाचल में माहौल खराब करते हैं, लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश की पर्यटन अधोसंरचना व व्यवस्था अपूर्णनीय व अक्षम है। बाहर से आने वाला पर्यटक किसी डेस्टिनेशन पर नहीं, बल्कि प्रवेश द्वार पर पर्यटक माना जाए, इसके लिए पंजीकरण तथा ऐप के जरिए संचालन चाहिए। प्रवेश द्वारों पर ही ऐप पर पंजीकरण से रूट तथा ठहराव चिन्हित हो और अगर किसी कारण कहीं अत्यंत भीड़ या अनियंत्रित भीड़ है, तो सैलानियों को विकल्प देकर उन्हें सहूलियत प्रदान की जाए।

कुछ अलग

समझ-समझ का फेर

बचपन बड़ा अजीब जीव है। बाहर से देखने पर लगता है कि बस छोटा-सा इनसान है, जिसकी जेब में टॉफी, हाथ में गुब्बारा और दिमाग में कार्टून घूम रहे हैं, लेकिन भीतर से देखा जाए तो वही छोटा-सा बच्चा भविष्य का पूरा समाज लेकर घूम रहा होता है। हम जिस बच्चे को आज डांटकर चुप करा देंगे, वही कल किसी ऑफिस में बॉस बनकर दस लोगों को चुप कराएगा, और जिस बच्चे को आज हर बात पर अपमान मिलेगा, वही कल फेसबुक पर लंबी-लंबी पोस्ट लिखकर दुनिया को अपमानित करने का कार्यक्रम चलाएगा। बचपन कोई 'ट्रायल वर्जन' नहीं है। यही असली सॉफ्टवेयर है। बाद में तो बस अपडेट आते रहते हैं। इसलिए जब बचपन में किसी बच्चे को बार-बार यह एहसास कराया जाता है कि वो किसी काम का नहीं है, तब भीतर कहीं एक गांठ पड़ जाती है। बाद के जीवन में वही गांठ कभी दब्बूपन बनकर निकलती है और कभी दबंगई बनकर। हमने अक्सर देखा है कि घरों में बच्चे को सुधारने के नाम पर ऐसा व्यवहार किया जाता है, जैसे बच्चा नहीं, कोई सरकारी फाइल हो जिसे लाल पेन से ठीक करना जरूरी हो। 'चुप रहो', 'बैठो', 'उधर मत जाओ', 'हंस क्यों रहे हो', 'रो क्यों रहे हो', 'इतने बेवकूफ कैसे हो सकते हो', बेचारा बच्चा सोचता होगा कि आखिर करे क्या? फिर एक दिन वही बच्चा बड़ा होकर या तो इतना दब जाता है कि बस 'जी सर, जी मैडम' कहते-कहते उसकी आत्मा भी सरकारी बाबू बन जाती है, या फिर वह ऐसा विद्रोही बनता है कि उसे समाज के किसी नियम-कानून की चिंता नहीं रहती। भीतर की चोट कभी गायब नहीं होती, बस उसका मेकअप बदल जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस (3 जुलाई 2026) पर विशेषः

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है। आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्ज़ी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज़ के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को

प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं। आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए। आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-''प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।'' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है। आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा।

जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न तो स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी। आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है।

देश दुनीया से

क्या शाकाहारियों को स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार नहीं?

लोकतांत्रिक समाज में प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद का भोजन करने की स्वतंत्रता प्राप्त है। यह स्वतंत्रता व्यक्तिगत गरिमा और जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है किंतु किसी भी अधिकार की सीमा वहीं तक होती है, जहाँ से दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन प्रारंभ होता है। यदि किसी व्यक्ति की भोजन संबंधी स्वतंत्रता के कारण दूसरे व्यक्ति को सांस लेने में कठिनाई हो, उसे उल्टी, घबराहट, एलर्जी या गंभीर असुविधा का सामना करना पड़े, तो यह केवल व्यक्तिगत पसंद का विषय नहीं रह जाता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, नागरिक सुविधा और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का विषय बन जाता है। सरकार हाल ही में अभिनेता पंकज त्रिपाठी द्वारा साझा की गई एक फेसबुक पोस्ट ने इसी संवेदनशील प्रश्न को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। उन्होंने विमान यात्रा के दौरान अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए बताया कि आसपास बैठे यात्रियों द्वारा खोले गए मांसाहारी भोजन की तीव्र गंध के कारण उन्हें और उनके भाई को पूरी यात्रा रुमाल से मुंह ढककर बितानी पड़ी। यह घटना किसी एक व्यक्ति का अनुभव भर नहीं है। देश और दुनिया में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें कुछ प्रकार के भोजन, तीव्र गंध, मसालों या अन्य सुगंधों से वास्तविक शारीरिक परेशानी होती है। ऐसे अनुभव यह सोचने के लिए विवश करते हैं कि क्या सार्वजनिक परिवहन और अन्य साझा स्थानों में सभी नागरिकों के लिए समान रूप से सहज वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता नहीं है? यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि यह बहस शाकाहार और मांसाहार के बीच श्रेष्ठता सिद्ध करने की नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक समाजों में दोनों प्रकार की भोजन परंपराएं लंबे समय से साथ-साथ अस्तित्व में हैं। संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जीवनशैली और भोजन संबंधी पसंद रखने की स्वतंत्रता देता है। किंतु वही संविधान प्रत्येक नागरिक के जीवन, स्वास्थ्य, गरिमा और सुरक्षित वातावरण के अधिकार की भी रक्षा करता है।

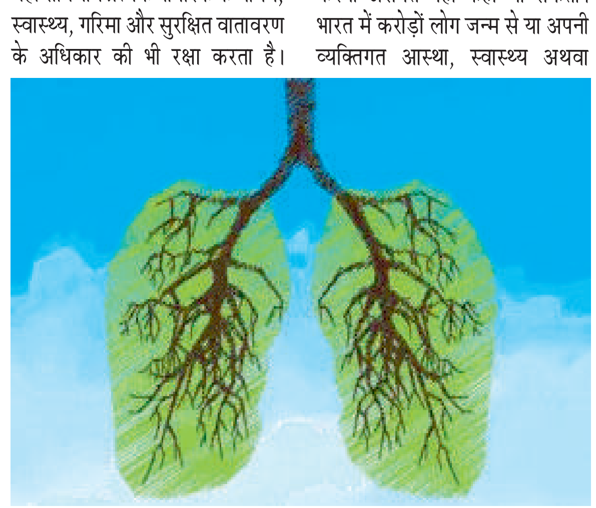

इसलिए प्रश्न यह नहीं है कि कौन क्या खाए, बल्कि यह है कि सार्वजनिक स्थानों पर ऐसा संतुलन कैसे बनाया जाए जिससे किसी की स्वतंत्रता दूसरे के लिए असहनीय कष्ट का कारण न बने। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सार्वजनिक स्थानों पर व्यवहार संबंधी अनेक नियम पहले से लागू हैं। विमान, रेल, बस, अस्पताल, पुस्तकालय और न्यायालय जैसे स्थानों पर धूम्रपान निषिद्ध है क्योंकि उसका धुआं दूसरों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। कई देशों और संस्थानों में अत्यधिक तीव्र परफ्यूम या सुगंधित उत्पादों के उपयोग को भी हतोत्साहित किया जाता है क्योंकि कुछ लोगों को उनसे एलर्जी या सांस संबंधी समस्या हो सकती है। यदि धुएं और तीव्र रासायनिक गंध के संदर्भ में ऐसी संवेदनशीलता स्वीकार की जा सकती है, तो तीव्र गंध वाले भोजन के संबंध में भी व्यावहारिक और संतुलित दिशानिर्देशों पर विचार करना असंगत नहीं कहा जा सकता। भारत में करोड़ों लोग जन्म से या अपनी व्यक्तिगत आस्था, स्वास्थ्य अथवा जीवनशैली के कारण शाकाहारी हैं। अनेक लोगों को मांसाहारी भोजन की गंध से मतली, उल्टी, सिरदर्द या बेचैनी महसूस होती है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों को दूध, मूंगफली, समुद्री भोजन अथवा अन्य खाद्य पदार्थों से गंभीर एलर्जी होती है। आधुनिक सार्वजनिक नीति का उद्देश्य किसी एक वर्ग की पसंद को दूसरे पर थोपना नहीं, बल्कि ऐसे साझा मानदंड विकसित करना होना चाहिए जिनसे सभी नागरिकों को न्यूनतम असुविधा के साथ सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग करने का अवसर मिले। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी विशेष रूप से विमान यात्रा जैसे बंद वातावरण में यह प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। विमान के केबिन में यात्री कई घंटों तक सीमित स्थान में साथ रहते हैं। वहां सीट बदलना हमेशा संभव नहीं होता और बाहर निकलने का भी कोई विकल्प नहीं होता। यदि किसी यात्री को किसी तीव्र गंध से गंभीर असुविधा हो रही हो, तो उसके पास स्थिति सहने के अतिरिक्त बहुत कम विकल्प बचते हैं। यही कारण है कि विमान कंपनियों को केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित न रहकर यात्रियों की विविध आवश्यकताओं का भी ध्यान रखना चाहिए। प्रशासन और विमानन नियामकों के लिए अब समय आ गया है कि वे इस विषय पर व्यापक विमर्श प्रारंभ करें। सबसे पहले, टिकट बुकिंग के समय यात्रियों को भोजन संबंधी प्राथमिकता दर्ज करने का विकल्प दिया जा सकता है। यदि पर्याप्त संख्या में यात्री चाहें तो सीमित स्तर पर ऐसे बैठने की व्यवस्था विकसित की जा सकती है जिसमें समान भोजन प्राथमिकता वाले यात्रियों को यथासंभव एक साथ बैठाने का प्रयास किया जाए। यह व्यवस्था अनिवार्य नहीं बल्कि विकल्प आधारित हो सकती है। दूसरा, अत्यधिक तीव्र गंध वाले बाहरी भोजन को विमान के भीतर खोलने या उपभोग करने के संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए जा सकते हैं। जैसे सुरक्षा कारणों से अनेक वस्तुओं पर पहले से प्रतिबंध या नियंत्रण है, उसी प्रकार अत्यधिक गंध फैलाने वाले खाद्य पदार्थों के लिए भी व्यावहारिक मानक निर्धारित किए जा सकते हैं। इसका उद्देश्य किसी भोजन पर प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि साझा वातावरण को अधिक आरामदायक बनाना होगा।

आप का नजरीया

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीह

मानवता के लिए एआई के करिश्माई फायदे सामने आ रहे हैं। यह तकनीक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले। मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक ईर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीर्घायु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूर्वानुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूर्वानुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं। फिर भी, मानव समाज के भविष्य और 'बुद्धिमत्ता की नियति' से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है। इनमें से कुछ उस एआई के भावी विकास व क्रियान्वयन पर विराम लगाने की अपील करते हैं, जो हमारी मानवता की अवधारणा को ही अपहृत कर सकती हो। वहीं एआई समर्थकों के दावे हैं कि इसकी मदद से वस्तुओं एवं सेवाओं की 'अद्भुत प्रचुरता' बनेगी और चेतावनी देते हैं कि नियमन से वैज्ञानिक प्रगति धीमा करने से उन अहम प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा जो मानवीय संवेदनाओं और सहस्राब्दियों तक चली सांस्कृतिक विकास-यात्रा के जरिये हमारे अस्तित्व की गहराइयों में समाहित भावनाओं के आधार पर नैतिक सुरक्षा-सीमाओं की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। हम कौन हैं, और क्या हम मानवता के ऐसे नए नैरेटिव के लिए तैयार हैं जिसमें कार्यात्मक दक्षता और वादे मुताबिक भौतिक समृद्धि, मानवीय आकांक्षाओं व भावनाओं की गरिमा पर हावी हो जाए, यह एक अपरिहार्य प्रश्न है, जिसने तकनीकी चमत्कारों के आकर्षण में बहने को रोके रखा है। यह इसलिए अहम है कि एआई तकनीक मानवीय भावनाओं और अंतर्ज्ञान को समझने सहित संज्ञानात्मक कौशलों की नकल कर सकती है, व कई बार बेहतर प्रदर्शन भी कर सकती है। क्या हम अनंत तकनीकी उथल-पुथल और रोजगार बाज़ार में दीर्घकालिक अस्थिरता से पैदा 'तनाव की वैश्विक महामारी' के लिए तैयार हैं, साथ ही 'बेकार' हुए करोड़ों लोगों की अनुमानित भीड़ के लिए, जिसे तकनीकी परिवर्तन के प्रभावों से तालमेल बैठाने में असहनीय तनाव झेलना पड़ेगा? क्या हमारे पास ऐसे सामाजिक-आर्थिक मॉडल हैं जो व्यक्ति का आत्मसम्मान बचा पाएं और सबके लिए अपनत्व व भावनात्मक कल्याण से पूर्ण जीवन यकीनी बनाएं? ये दार्शनिक प्रश्न इंसानी नजरिये से पैदा होते हैं, जिसकी नींव मानवीय मूल्यों पर टिकी है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है कि 'मन के उस गुप्त क्षेत्र को कैसे सुरक्षित रखा जाए, जहां से भावनाएं जन्मती हैं, प्रेरणा बहती है, व इच्छाएं स्पंदित होती हैं- मानवीय आत्मा का वह आत्मपरक पक्ष जो हम सब को अनिवार्यतः वह बनाता है, जो हम हैं'।

स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले। मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक ईर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीर्घायु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूर्वानुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूर्वानुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं। फिर भी, मानव समाज के भविष्य और 'बुद्धिमत्ता की नियति' से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है।

दृष्टि कोण

संस्थागत रजिस्ट्रेशन और फंडिंग के दृष्टिगत सुलगते सवाल

किसी भी सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक या गैर-सरकारी संगठन (NGO) के संदर्भ में जब उसके रजिस्ट्रेशन, वित्तीय स्रोतों और धन के उपयोग को लेकर सवाल उठते हैं तो यह केवल कानूनी मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक विश्वास का प्रश्न बन जाता है। आखिर ये सवाल क्यों उठते हैं कि फलां-फलां संगठन की कानूनी स्थिति क्या है? क्या वह सोसायटी, ट्रस्ट, कंपनी या किसी अन्य स्वरूप में पंजीकृत है? स्वाभाविक सवाल है कि यदि पंजीकृत नहीं है, तो उसकी गतिविधियां किस कानूनी ढांचे के अंतर्गत संचालित हो रही हैं? उसकी फंडिंग का स्रोत क्या है? धन आम जनता के दान से आता है या संस्थागत सहयोग से? क्या विदेशी स्रोतों से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है? क्या सभी वित्तीय स्रोत संबंधित कानूनों के अनुरूप घोषित किए गए हैं? उसके धन का उपयोग कैसे हो रहा है? संगठन को प्राप्त राशि का कितना हिस्सा घोषित उद्देश्यों पर खर्च होता है? क्या ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय विवरण सार्वजनिक हैं? जहां तक ऐसे संगठनों की पारदर्शिता और जवाबदेही की बात है तो अक्सर यह सवाल उठते हैं कि क्या संगठन नियमित रूप से अपनी आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करता है? क्या उसके वित्तीय रिकॉर्ड स्वतंत्र जांच के लिए उपलब्ध हैं? आखिर उसके सामाजिक और राजनीतिक मायने क्या हैं? क्योंकि ऐसे संगठनों के समर्थकों का तर्क होता है कि ऐसे सवाल कई बार वैचारिक या राजनीतिक विरोध के कारण उठाए जाते हैं। जबकि आलोचकों का तर्क होता है कि सार्वजनिक प्रभाव रखने वाले किसी भी संगठन को वित्तीय और प्रशासनिक पारदर्शिता दिखानी चाहिए, वहीं, लोकतांत्रिक दृष्टिकोण यह होता है कि जितना बड़ा संगठन और उसका प्रभाव होगा, उतनी ही अधिक सार्वजनिक जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक होगी। जहां तक भारत में ऐसे संगठनों की स्थिति की बात है तो भारत में लाखों संस्थाएं विभिन्न रूपों में पंजीकृत हैं— ट्रस्ट, सोसायटी, सेक्शन-8 कंपनियां, धार्मिक संस्थान, ट्रेड यूनियन, राजनीतिक दल और अन्य संगठन। इनमें से अधिकांश को आयकर, ऑडिट, दान और विदेशी फंडिंग

संबंधी नियमों का पालन करना पड़ता है। लिहाजा, जब किसी प्रभावशाली संस्था के रजिस्ट्रेशन या फंडिंग पर प्रश्न उठते हैं, तो अक्सर व्यापक बहस शुरू हो जाती है कि क्या सभी संस्थाओं के लिए समान पारदर्शिता मानक होने चाहिए। हालांकि मूल प्रश्न यह है कि ऐसे विवाद किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है बल्कि असली प्रश्न यह है कि क्या भारत में सभी प्रभावशाली सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और वैचारिक संगठनों के लिए रजिस्ट्रेशन, आय-व्यय, दानदाताओं और ऑडिट रिपोर्ट की सार्वजनिक पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यही प्रश्न आज सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में है। जानकार बताते हैं कि आरएसएस जैसे बड़े सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक, सांस्कृतिक और गैर-सरकारी संगठनों (NGOs, ट्रस्ट, सोसाइटियां आदि) की व्यापक संख्या भारत में है। इनकी संख्या बहुत बड़ी है और इसका कोई एक सटीक आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। किसी भी अहम मुद्दे पर जब राष्ट्रीय आंकड़ा की बात होती है तो अनुपलब्ध बताया जाता है, यह कमतर दर्शाया जाता है। यह प्रशासनिक नीतिगत लापरवाही नहीं तो क्या है? रही बात गैर सरकारी संगठनों के पुष्ट आंकड़ों की तो जहां तक कुछ उपलब्ध आंकड़े हैं, वो इस प्रकार हैं:- सिर्फ नीति आयोग के NGO-DARPAN पोर्टल पर लगभग 1.5 लाख से 1.9 लाख सक्रिय पंजीकृत NGO सूचीबद्ध हैं जबकि विभिन्न अवधियों में पंजीकृत संस्थाओं का आंकड़ा इससे कहीं अधिक बताया गया है। वहीं, कुछ डेटाबेस और सरकारी संकलनों में 3 लाख से अधिक पंजीकृत गैर-सरकारी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है।

डीपीएल सीजन–3 : दिग्वेश राठी और अनुज रावत से सजी पुरानी दिल्ली–6 की टीम

ऋषभ पंत की जगह ललित यादव होंगे शामिल

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के तीसरे सीजन के लिए पुरानी दिल्ली–6 ने बुधवार को हुए खिलाड़ी नीलामी के बाद अपनी 25 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम ने अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित संयोजन तैयार किया है।

फ्रेंचाइजी ने भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह ललित यादव को टीम में शामिल किया है। पंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं के कारण डीपीएल के इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

पुरानी दिल्ली–6 की टीम में अनुज रावत, दिग्वेश राठी, देव लाकड़ा, पंकज जसवाल, समर्थ सेठ, राजनीश दादर और उधव मोहन जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। डीपीएल का तीसरा सीजन 31 जुलाई से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

फ्रेंचाइजी के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि टीम ने अनुभव और युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण तैयार किया है।

उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम अपनी टीम से बेहद संतुष्ट हैं। हमारा लक्ष्य एक संतुलित और मजबूत टीम बनाना था और हमें विश्वास है कि यह टीम खिताब जीतने की क्षमता रखती है। मुख्य कोच विजय दहिया ने कहा कि नीलामी के दौरान ऐसे खिलाड़ियों का चयन किया गया है जो हर परिस्थिति में टीम के लिए योगदान दे सकें। उन्होंने कहा, हमारे पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में गहराई है। अब हमारा पूरा ध्यान टीम को एकजुट कर टूर्नामेंट के लिए तैयार करने पर रहेगा।

पुरानी दिल्ली-6 की टीम (डीपीएल सीजन-3)

ललित यादव, उधव मोहन, राजनीश दादर, रोहन राणा, आर्यन गौर, वनम अग्रवाल, अजय अहलावत, कुश नागपाल, दिग्वेश राठी, युग गुप्ता, कबीर सचदेवा, गौरव सरोहा, देव लाकड़ा, अनुज रावत, समर्थ सेठ, मोहक कुमार, यश कुमार, पंकज जसवाल, हर्षवर्धन फोगाट, अर्जुन रेक्सवाल, लक्ष्य वर्मा, प्रिंस मिश्रा, अश्विनी चिल्लर, आदित्य वर्मा और आदित्य मल्होत्रा।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप: टिलेमांस के दो गोल से बेल्जियम ने सेनेगल को हराया, अंतिम-16 में बनाई जगह

सिएटल। यूरी टिलेमांस के दो गोलों की बदौलत बेल्जियम ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ–32 मुकाबले में बुधवार को सेनेगल को 3–2 से हराकर रोमांचक अंदाज में अंतिम–16 में प्रवेश कर लिया। मुकाबले में सेनेगल ने शानदार शुरुआत करते हुए हबीब डियारा और इस्माइला सार के गोलों की मदद से 2–0 की बढ़त बना ली। एक समय ऐसा लग रहा था कि सेनेगल आसानी से अगले दौर में पहुंच जाएगा। हालांकि, बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में शानदार वापसी की। 86वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी रोमेलु लुकाकू ने गोल कर अंतर 2–1 किया। इसके बाद 89वें मिनट में यूरी टिलेमांस ने बराबरी का गोल दागकर मुकाबले को अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में पहुंचा दिया। अतिरिक्त समय के 117वें मिनट में वीएआर की मदद से बेल्जियम को पेनाल्टी मिली। रिप्ले में सेनेगल के लामिन कामारा द्वारा टिलेमांस पर बाक्स के अंदर किए गए फाउल की पुष्टि हुई। पेनाल्टी लेने आए टिलेमांस ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल में पहुंचाया और बेल्जियम को 3–2 की यादगार जीत दिला दी। इस जीत के साथ बेल्जियम ने फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम–16 में जगह बना ली।

फीफा विश्व कप 2026 : 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अमेरिका ने बोस्निया को हराया, अंतिम-16 में बनाई जगह

सैन फ्रांसिस्को। दस खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए अमेरिका ने बुधवार को बोस्निया और हर्जेगोविना को 2–0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम–16 (राउंड आफ–16) में प्रवेश कर लिया। अमेरिका ने पहले हाफ के अंतिम क्षणों में बढ़त हासिल की। फोलारिन बालोगुन ने बाक्स में मिले मौके का शानदार फायदा उठाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 1–0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे हाफ में अमेरिका को बड़ा झटका लगा। 64वें मिनट में बालोगुन को बोस्निया के खिलाड़ी तारिक मुहरेमोविच पर खतरनाक टैकल करने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया, जिसके बाद अमेरिका को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद अमेरिका ने बेहतरीन संयम दिखाया और 82वें मिनट में मालिक टिलमैन ने बाक्स के बाहर से शानदार फ्री–किक पर गोल दागकर टीम की बढ़त 2–0 कर दी। अंत तक बोस्निया वापसी नहीं कर सका और अमेरिका ने मुकाबला जीतकर नाकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। अब मारिसियो पोचेटिनो की कोचिंग वाली अमेरिकी टीम 7 जुलाई को सिएटल स्टेडियम में होने वाले अंतिम–16 मुकाबले में बेल्जियम का सामना करेगी ।

फीफा विश्व कप 2026: इंग्लैंड ने डीआर कांगो को हराया, प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

अटलांटा । कप्तान हैरी केन के शानदार दो गोलों की बदौलत इंग्लैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड

आफ–32 मुकाबले में बुधवार को डीआर कांगो को 2–1 से हराकर अंतिम–16 (प्री–क्वार्टर फाइनल) में जगह बना ली। हालांकि टूर्नामेंट की मजबूत दावेदार मानी जा रही इंग्लैंड की टीम को इस जीत के लिए आखिरी मिनटों तक कड़ा संघर्ष करना पड़ा। डीआर कांगो ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और 17वें मिनट में बढ़त हासिल कर सभी को चौंका दिया। दाईं ओर से आए क्रास पर इंग्लैंड के डिफेंडर डेजेड स्पेंस गेंद का सही आकलन नहीं कर सके, जिसका फायदा उठाते हुए ब्रायन सिपेंगा ने नजदीक से शानदार फिनिश कर टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। गोल खाने के बाद इंग्लैंड ने लगातार हमले किए, लेकिन डीआर कांगो के गोलकीपर लियोनेल म्पासी ने कई बेहतरीन बचाव कर टीम की बढ़त बरकरार रखी। पहले हाफ में जूड बेलिंघम का हेडर और मार्कस रैशफोर्ड का करीबी प्रयास भी म्पासी और डिफेंस ने विफल कर दिया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने दबाव बढ़ाया और आखिरकार 75वें मिनट में कप्तान हैरी केन ने एंथनी गार्डन के शानदार क्रास पर हेडर लगाकर स्कोर 1–1 कर दिया।

टेबल टेनिस : चीन की दीवार ढहाकर अभिनंद दिव्यांशी सेमीफाइनल में, पदक पक्का

एशियन यूथ चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में चीनी जोड़ी को सीधे गेमों में चटाई धूल; अब थाईलैंड से भिड़ंत

नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस के उभरते सितारों ने बैंकाक में चल रही एशियन यूथ टेबल टेनिस चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। भारत की शीर्ष वरीय अंडर–19 मिश्रित युगल जोड़ी पी.बी. अभिनंद और दिव्यांशी भौमिक ने खिताबी दावेदार चीन को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। बुधवार को खेले गए हाई–प्रेशर क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को धूल चटाते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया और देश के लिए कम से कम कांस्य (ब्रान्ज) पदक पक्का कर लिया है।

भारतीय जोड़ी ने पूरे मैच में ऐसा आक्रामक खेल और सटीक तालमेल दिखाया कि चीनी पैडलर्स यिरन तांग और यियी जियांग एक बार भी मुकाबले में वापसी नहीं कर सके। अभिनंद और दिव्यांशी ने यह मैच 11–9, 11–6, 11–7 से सीधे गेमों में एकतरफा अंदाज में अपने नाम किया।

प्री-क्वार्टर में हांगकांग को दी थी मात

चीन के खिलाफ इस महा–मुकाबले से पहले भी भारतीय जोड़ी का जलवा देखने को मिला था। प्री–क्वार्टर फाइनल में अभिनंद और दिव्यांशी ने हांगकांग के एलीवन वोंग और सु त्सज तुंग की जोड़ी को 11–6, 11–8, 11–9 से हराकर अंतिम–8 में जगह बनाई थी।

अब सामने होगी मेजबान थाईलैंड की चुनौती

सेमीफाइनल में अब भारतीय जोड़ी का मुकाबला मेजबान थाईलैंड की थितافत प्रीचायन और कुलपास्सर विजितविरियागुल से होगा। हालांकि थाई जोड़ी को घरेलू दर्शकों का पूरा समर्थन मिलेगा, लेकिन मौजूदा फार्म को देखते हुए भारतीय धुरंधरों को ही जीत और स्वर्ण पदक का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

प्रियांशु-सिंड्रेला का सफर थमा

दूसरी ओर, भारत की एक अन्य उम्मीद प्रियांशु भट्टाचार्य और सिंड्रेला दास की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई। इससे पहले उन्होंने उज्बेकिस्तान की जोड़ी को 11–6, 11–6, 8–11, 12–10 से हराकर अंतिम–8 का टिकट कटाया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में उन्हें चीन की ही तीसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ 7–11, 16–18, 7–11 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

लगातार शानदार खेल दिखा रही अभिनंद और दिव्यांशी की जोड़ी से अब खेल प्रेमियों को स्वर्ण पदक की उम्मीद है। यदि वे सेमीफाइनल का गतिरोध पार कर लेते हैं, तो टेबल टेनिस इतिहास में भारत के नाम एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ जाएगा।

विंबलडन: जोकोविच ने सितसिपास को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

लंदन

सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने बुधवार को विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे दौर में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6–3, 6–4, 6–2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में 39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज ने शुरू से अंत तक मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। लगभग दो घंटे तक चले इस मुकाबले में जोकोविच ने अनुभव और सटीक खेल का शानदार प्रदर्शन किया।

दूसरे सेट के आठवें गेम में सितसिपास के पास ब्रेक प्वाइंट बचाने का शानदार मौका था, लेकिन उन्होंने लगातार दो आसान स्मैश बाहर मार दिए। जोकोविच ने इस गलती का पूरा फायदा उठाते हुए सर्विस ब्रेक किया और इसके बाद सितसिपास की वापसी की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो गई।

इस जीत के साथ जोकोविच ने सितसिपास के खिलाफ लगातार 12वीं जीत दर्ज की।

अब तीसरे दौर में उनका मुकाबला 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच से होगा। जोकोविच आठवां विंबलडन खिताब और रिकार्ड 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की दौड़ में बने हुए हैं।

जीत के बाद जोकोविच ने कहा

जब आप इस तरह का टेनिस खेलते हैं तो कोर्ट पर बेहद खुशी और संतुष्टि महसूस होती है। विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलना हमेशा मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इन पलों को कभी हल्के में नहीं लेता। उन्होंने आगे कहा, उम्र सिर्फ एक संख्या है। 30 वर्ष से अधिक की उम्र में भी इस कोर्ट पर उतरना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वहीं, सितसिपास के लिए यह हार एक और बड़ा झटका साबित हुई। विश्व रैंकिंग में 87वें स्थान पर खिसक चुके ग्रीक खिलाड़ी हाल ही में अपने कोच और पिता अपोस्टोलोस सितसिपास से अलग हुए हैं और लगातार खराब फार्म से जूझ रहे हैं।

ओसाका जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस 2026 के तीसरे दौर में पहुंचीं

लंदन। जापान की शीर्ष महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका एकतरफा जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस चैम्पियनशिप 2026 तीसरे दौर में पहुंच गयी है। ओसाका ने दूसरे दौर के मुकाबले में रुस की अनस्तासिया गैसानोवा को सीधे सेटों में 6–3, 6–2 से हराया। इस मैच में ओसाका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रुसी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। मैच में ओसाका ने कुल आठ एस लगाए और अपनी पहली सर्विस के बल पर 76 फीसदी अंक हासिल किये। ओसाका ने छह में से तीन ब्रेक अंक हासिल किये। इससे साफ है कि मैच में ओसाका हावी रहीं और उन्होंने गैसानोवा को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर विश्व की 225वें नंबर की खिलाड़ी गैसानोवा क्वालीफाइंग दौर से होते हुए मुख्य ड्रा में पहुंची थीं पर यहां ओसाका की मारक सर्विस और रिटर्न के सामने टिक नहीं पायी। गैसानोवा पूरे मैच के दौरान केवल 11 अंक ही हासिल कर पायीं। यह जीत विंबलडन में ओसाका के लिए दूसरी सीधी जीत है।

भारत में साइक्लिंग को नई रफ्तार देने की तैयारी, रक्षा खड़से ने तय किया रोडमैप

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खड़से ने गुरुवार को साइक्लिंग फेडरेशन आफ इंडिया (सीएफआई) के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर भारत में साइक्लिंग के खेल को जमीनी स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में प्रतिभा की पहचान, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, कोचिंग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए व्यापक रोडमैप तैयार करने पर जोर दिया गया। बैठक में पुणे ग्रैंड टूर के आगामी आयोजन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

मंत्री ने कहा कि इस तरह की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं भारतीय खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने के साथ–साथ भारत की वैश्विक खेल आयोजक के रूप में पहचान भी मजबूत करती हैं। साइक्लिंग फेडरेशन आफ इंडिया के महासचिव मनिंदर पाल सिंह ने बताया कि यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआई) की वार्षिक रिपोर्ट–2026 में वैश्विक साइक्लिंग के विकास में भारत के बढ़ते योगदान को विशेष रूप से सराहा गया है। रिपोर्ट में पुणे ग्रैंड टूर–2025 और भारतीय साइक्लिंग के विकास की भी प्रशंसा की गई है। बैठक में भारतीय साइक्लिंग की एक बड़ी उपलब्धि का भी उल्लेख किया गया। हर्षिता जाखड़ के बाद अब भारत के पांच शीर्ष स्प्रिंटर—रोनाल्डो सिंह, एसो अल्बान, रोजित सिंह, डेविड

बेकहम एलकटोचूंगो और जेम्स सिंह—सहित चार सहयोगी स्टाफ सदस्यों का चयन स्विट्जरलैंड स्थित यूसीआई वर्ल्ड साइक्लिंग सेंटर के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए हुआ है। मंत्री ने इसे भारतीय साइक्लिंग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों और कोचों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं खेल विज्ञान का लाभ मिलेगा। बैठक में खेलो इंडिया अस्मिता साइक्लिंग सिटी लीग की प्रगति की भी समीक्षा की गई। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल देश के सबसे बड़े महिला–केंद्रित ग्रासरूट साइक्लिंग कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी है। मंत्री ने कहा कि इससे महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का बेहतर मंच मिला है और भविष्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान आसान हुई है। रक्षा खड़से ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से देश का खेल तंत्र तेजी से मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि मजबूत ग्रासरूट व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और नियमित अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी भारतीय साइक्लिस्टों को एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करेगी।

बारिश के कारण भारत-इंग्लैंड पहला टी20 मैच रद्द, अभिषेक और श्रेयस के अर्धशतक बेकार

चेस्टर–ले–स्ट्रीट

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाए, लेकिन लगातार बारिश के चलते इंग्लैंड की पारी शुरू ही नहीं हो सकी।

भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों पर 59 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 47 गेंदों में 68 रन बनाए। अंत में शिवम दुबे ने 21 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

भारत की शुरुआत खराब रही। संजू सैमसन (1) और ईशान किशन (0) जल्दी आउट हो गए, लेकिन अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर इंग्लैंड के खिलाफ किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज टी20 अर्धशतक बनाया।

अभिषेक के आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर ने जिम्मेदारी संभाली और कप्तान के रूप में अपना पहला टी20 अर्धशतक लगाया। शिवम दुबे ने अंतिम ओवरों में तेज बल्लेबाजी करते हुए भारत को 189 रन तक पहुंचाया।

इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 विकेट लेकर भारत को 200 के पार जाने से रोका।

भारतीय पारी के दौरान हल्की बारिश होती रही, लेकिन पारी पूरी हो गई। हालांकि इनिंग्स ब्रेक के बाद बारिश तेज हो गई और लगातार जारी रहने के कारण इंग्लैंड की बल्लेबाजी शुरू नहीं हो सकी। निर्धारित समय तक मौसम साफ नहीं होने पर अंपायरों ने मुकाबले को बेनतीजा घोषित कर दिया।

वैभव को आयरलैंड के खिलाफ अवसर नहीं देना एक बड़ी गलती रही : शास्त्री

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं उतारकर भारतीय टीम प्रबंधन ने गलती की है। शास्त्री का मानना है कि आयरलैंड के हालात वैभव के अनुकूल थे, इसके अलावा उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभवी भी मिल जाता। उसे पूरे दौरे में बेंच पर बैठाए रखने का फैसला सही नहीं था। शास्त्री ने कहा, अरे, उसे आयरलैंड में खेलना चाहिए था। वहां की पिच धीमी थी और मैदान भी छोटा था। वह गेंद को सीधे हवा में खेल देता। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उसे अवसर मिलेगा या नहीं ये कहा नहीं जा सकता पर मेरा मानना है कि उसे अवसर दिया जाना चाहिये था। शास्त्री ने वैभव के आईपीएल प्रदर्शन की भी प्रशंसा करते हुंए कहा कि उसने हर गेंदबाज के खिलाफ आसानी से खेला था। इसके बाद भी उसे बेंच पर बैठाया हुआ है।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत: 189/7 (20 ओवर) – अभिषेक शर्मा 59, श्रेयस अय्यर 68, शिवम दुबे 42*; साकिब महमूद 3/33

परिणाम: बारिश के कारण मैच बेनतीजा।

केंद्र ने कर्मचारी भविष्य निधि योजना-2026 अधिसूचित की, 29 जून से हुई प्रभावी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना 2026 को अधिसूचित कर दिया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) संचालित यह योजना 29 जून से प्रभावी हो गई है। नई योजना 1952 की कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम का स्थान लेगी।

पीएफओ की नई योजनाओं में डिजिटल अनुपालन एवं दावों के समयबद्ध निपटान पर रहेगा जोर

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 2026, कर्मचारी पेंशन योजना, 2026 और कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना, 2026 को अधिसूचित किया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन संचालित नई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में डिजिटल अनुपालन और भविष्य निधि (पीएफ) निकासी तथा पेंशन निर्धारण जैसे दावों के समयबद्ध निपटान पर विशेष जोर रहेगा।

इस योजना का उद्देश्य डिजिटल अनुपालन को मजबूत करना, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना, खातों के स्थानांतरण को आसान बढ़ाना और भविष्य निधि ढांचे को नए श्रम कानून के अनुरूप बनाना है। नई योजना में अनिवार्य ईपीएफ अंशदान कर्मचारी और नियोक्ता दोनों के वेतन का 12 फीसदी बना रहेगा। केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिष्ठानों पर मौजूदा 10 फीसदी की दर लागू रहेगी।

श्रम मंत्रालय नई ईपीएफओ स्कीम के तहत डिजिटल कंप्लायंस और क्लेम के समय पर निपटारे पर ध्यान देगा। रिटायरमेंट फंड बाडी ईपीएफओ द्वारा चलाई जा रही नई सोशल सिक्योरिटी स्कीम में डिजिटल कंप्लायंस और क्लेम (जैसे पीएफ निकालना और पेंशन तय करना) के समय पर निपटारे पर खास ध्यान दिया जाएगा।

मंत्रालय के मुताबिक इस योजना में आंशिक निकासी के नियमों को भी अद्यतन किया गया है। योजना में पारदर्शिता में सुधार और भविष्य निधि प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने के लिए इलेक्ट्रानिक फाइलिंग, आनलाइन दावों, ई-पासबुक और यूनिवर्सल खाता संख्या से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने पुरानी 1952 की व्यवस्था को बदलकर अब सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत 29 जून से देश में नई ईपीएफ स्कीम लागू की है। अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, शिक्षा, शादी और घर जैसी जरूरतों के लिए अपने पीएफ अकाउंट से पात्र 75 फीसदी राशि का 100 फीसदी तक पैसा निकाल सकेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

मेकान अब मिनीरत्न श्रेणी-1 कंपनी, वित्तीय स्वायत्तता और विकास की गति बढ़ेगी

मुंबई। रांची मुख्यालय वाली मेटलर्जिकल एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड (मेकान) को

इस्पात मंत्रालय ने मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा दे दिया है। यह फैसला कंपनी के उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन और मजबूत स्थिति का परिणाम है, जिससे उसके संचालन में अब और अधिक स्वायत्तता आएगी। कंपनी ने हाल के तीन वित्तीय वर्षों में लगातार लाभ दर्ज किया है, जिसमें 77.62 करोड़ रुपये, 32.08 करोड़ रुपये और 104.53 करोड़ रुपये का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) शामिल है। साथ ही, इसने 535.42 करोड़ रुपये की सकारात्मक शुद्ध संपत्ति भी दर्ज की है, जो इसे सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा मिनीरत्न श्रेणी-1 के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करती है। इस दर्जे से मेकान के बोर्ड को वित्तीय और परिचालन संबंधी स्वायत्तता में उल्लेखनीय वृद्धि प्राप्त होगी। शक्तियों के इस बढ़े हुए प्रत्यायोजन से कंपनी को निवेश, आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन और व्यापार विस्तार परियोजनाओं को अधिक लचीलेपन और गति के साथ क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी, जिससे उसके भविष्य के विकास पथ को मजबूती मिलेगी। वर्ष 1959 में स्थापित मेकान देश की प्रमुख इंजीनियरिंग, परामर्श और परियोजना प्रबंधन कंपनियों में से एक है। इसने इस्पात क्षेत्र के साथ-साथ खनन, अवसंरचना, बिजली, तेल एवं गैस जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह निर्णय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को सशक्त बनाने और उन्हें देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के सरकार के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है ।

कोच्चि में सीफूड एक्सपो भारत' के दौरान राष्ट्रीय कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का समापन

नई दिल्ली

समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन पर राष्ट्रीय कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का समापन केरल के कोच्चि में बुधवार को सीफूड एक्सपो भारत 2026 के दौरान हुआ। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विदेशी बाजारों के लिए मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य उत्पाद तैयार करने में दस प्रशिक्षित समुद्री खाद्य प्रसंस्करण पेशेवरों के कौशल का प्रदर्शन किया गया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन कौशल ओलंपियाड के दूसरे संस्करण का भव्य फाइनल सीफूड एक्सपो भारत 2026 के दौरान कोच्चि में बुधवार को आयोजित किया गया। एमपीईडीए की इस पहल में समुद्री खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के 10 प्रशिक्षित पेशेवरों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने मूल्य संवर्धित समुद्री खाद्य उत्पादों को तैयार करने में अपनी पाक-कला और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा स्थित देवी फिशरीज लिमिटेड के पी. सूर्य भास्कर विजेता के रूप में उभरे। मंत्रालय के मुताबिक तमिलनाडु के तूतीकोरिन स्थित थेवा एंड कंपनी के मुथु कुमारन ने इसमें दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित एसएस सीफूड्स प्राइवेट लिमिटेड की सागरिका सरदार तथा ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित सबरी फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की बारासरानी जेना ने क्रमशः तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि विजेता को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 75 हजार रुपये और 50 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। चौथे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 25,000 रुपये का सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक कार्यक्रम से पहले एमपीईडीए ने भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर समुद्री खाद्य मूल्य संवर्धन से संबंधित 50 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 2,500 से अधिक समुद्री खाद्य प्रसंस्करण श्रमिकों और पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक मांग वाले समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। ओलंपियाड के क्षेत्रीय चरण पश्चिमी तट क्षेत्र के लिए मुंबई तथा पूर्वी तट क्षेत्र के लिए विशाखापत्तनम में आयोजित किए गए। 30 जून को आयोजित इन क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में से 10 फाइनलिस्ट का चयन किया गया। भव्य फाइनल के दौरान प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक मांग वाले छह मूल्य संवर्धित समुद्री खाद्य उत्पाद तैयार करने का कार्य दिया गया। इनमें नोबाशी श्रिम्प, ब्रेडेड बटरफ्लाई श्रिम्प, कुक्ड पील्ड डिवेन्ड टेल-आन श्रिम्प, मैरिनेटेड श्रिम्प स्क्यूअर्स, ब्रेडेड स्क्विड रिंग्स तथा फिश फिलेट्स शामिल थे। एमपीईडीए के अध्यक्ष पी. जवाहर, निदेशक डा. राम मोहन एम.के., सचिव डा. गिबिन कुमार, संयुक्त निदेशक श्री अनिल कुमार तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (एसईएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डा. के. एन. राघवन ने विजेताओं को नकद पुरस्कार, पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। एमपीईडीए के अध्यक्ष पी. जवाहर ने कहा कि यह ओलंपियाड एक सशक्त और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समुद्री खाद्य क्षेत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होगा। एमपीईडीए गुणवत्ता आश्वासन, खाद्य सुरक्षा, प्रसंस्करण उत्कृष्टता, कार्यबल कौशल विकास, सतत समुद्री खाद्य उत्पादन तथा विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह ओलंपियाड भारत के समुद्री खाद्य निर्यात तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। इस कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, समुद्री खाद्य निर्यातक, अंतरराष्ट्रीय खरीदार, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, तकनीकी विशेषज्ञ तथा सीफूड एक्सपो भारत 2026 में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

टीवीएस मोटर की जून महीने में बिक्री 47 फीसदी बढ़कर हुई 5.90 लाख इकाई

नई दिल्ली

देश की तीसरी सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी की जून में कुल बिक्री सालाना आधार पर 47 फीसदी बढ़कर 5,90,003 इकाई हो गई। पिछले वर्ष इसी महीने यह 4,02,001 इकाई रही थी।

टीवीएस मोटर ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि मोपेड सहित कुल दोपहिया वाहन की बिक्री 47 फीसदी बढ़कर 5,65,417 इकाई रही, जो जून, 2025 में 3,85,698 इकाई रही थी। घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री जून में 46 फीसदी बढ़कर 4,11,014 इकाई रही, जबकि जून, 2025 में यह 2,81,012 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि जून महीने में मोटरसाइकिलों की बिक्री सालाना आधार पर 1,88,774 इकाई से 42 फीसदी बढ़कर 2,67,096 इकाई रही।स्कूटरों की बिक्री 53 फीसदी बढ़कर 2,47,950 इकाई हो गई, जबकि जून, 2025 में यह 1,62,291 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने बताया कि उसके इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री तीगुना होकर जून में 48,537 इकाई हो गई, जो जून 2025 में 14,400 इकाई थी।

कंपनी ने जून के दौरान 24,586 तिपहिया वाहन भी बेचे। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय कारोबार से कुल बिक्री 47 फीसदी बढ़कर 1,72,355 इकाई रही, जबकि जून, 2025 में यह 1,17,145 इकाई थी। कंपनी की अंतरराष्ट्रीय दोपहिया वाहन बिक्री भी 48 फीसदी बढ़कर 1,54,403 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने में 1,04,686 इकाई थी। टीवीएस मोटर ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 16.31 लाख इकाई की अब तक की सर्वाधिक तिमाही बिक्री दर्ज की है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री 27 फीसदी बढ़कर 15.64 लाख इकाई हो गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 48 फीसदी बढ़कर 67,000 इकाई रही। इस तरह कंपनी का कुल अंतरराष्ट्रीय कारोबार 33 फीसदी बढ़कर 4.68 लाख इकाई हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अयोध्या...

अनिल मिश्रा से दान की गणना में लगे कर्मचारियों के चयन, उनसे उनके परिचय और बैंक द्वारा कर्मचारियों की नियुक्ति किसके कहने पर तथा किन मानकों के आधार पर की गई, इस संबंध में पूछताछ की गई। एसआईटी ने बैंक से यह भी जानकारी जुटाई कि किस कर्मचारी की नियुक्ति किसकी सिफारिश पर हुई और कौन किसका परिचित या रिश्तेदार था। बैंक से मिले ब्योरे के आधार पर ही अनिल मिश्रा से सवाल किए गए। वहीं गोपाल राव से मंदिर की व्यवस्थाओं, दान पेटियों की सुरक्षा और कर्मचारियों के आवागमन से जुड़े पहलुओं पर जानकारी ली गई।

दरअसल, पुलिस जांच के दौरान अब तक सबसे बड़ी नकद बरामदगी अविनाश शुक्ला के घर से हुई है। उसके कब्जे से 20 लाख 39 हजार रुपये नकद, 1,121 अमेरिकी डॉलर, करीब 11 ग्राम सोना और 375 ग्राम चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। यही वजह है कि पुलिस उसे इस मामले का अहम आरोपी मान रही है।

लवकुश की पत्नी को जारी हुआ नोटिस

इससे पहले पुलिस ने आरोपी लवकुश मिश्रा के घर पर भी तलाशी अभियान चलाया था और उसके परिजनों से पूछताछ की थी। इसी बीच अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर बन रहे एक मकान को लेकर नोटिस जारी किया है। आरोप है कि सोहावल तहसील के बनवीरपुर गांव में बिना विकास प्राधिकरण की मंजूरी के निर्माण कार्य कराया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, जांच में अब तक अलग-अलग आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। अविनाश शुक्ला के अलावा करुणेश पांडे के पास से 18.07 लाख रुपये, अनुकल्प मिश्रा के पास से 16.82 लाख रुपये, लवकुश मिश्रा के पास से 14.25 लाख रुपये, रामाशंकर मिश्रा के पास से 7.32 लाख रुपये और रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास से एक लाख रुपये बरामद किए गए हैं।

...और क्यूआर कोड लगा दानपात्र!

जांच के दौरान पुलिस ने अयोध्या स्थित एक योग केंद्र से रामराज्य कोष नाम का एक दानपात्र भी बरामद किया है, जिस पर पेटीएम का क्यूआर कोड लगा हुआ था। पुलिस के मुताबिक, अविनाश शुक्ला पिछले करीब दस वर्षों से इसी योग केंद्र में रह रहा था।

बता दें कि राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गबन का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को एफआईआर दर्ज की गई। अब तक चढ़ावा गिनने की प्रक्रिया से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और पुलिस मामले की हर कड़ी की गहन जांच कर रही है। अब सभी की नजरें अविनाश शुक्ला से होने वाली पूछताछ पर टिकी है।

अब पवार ...

इन सबके बीच चर्चा इस बात की है कि शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी के सांसदों का समर्थन किस तरह से एनडीए ले सकता है, इसकी संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस पूरी कवायद के पीछे महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिशें हैं।

तक्षशिला...

पत्थरों का उपयोग किया गया है।

पाकिस्तान के पंजाब पुरातत्व विभाग ने इन आरोपों को खारिज किया है। विभाग के महानिदेशक मलिक ज़हीर अब्बास ने डॉन से कहा कि इसे पुनर्निर्माण कहना गलत है। उनके अनुसार यह कार्य केवल संरक्षण के लिहाज से किया गया ताकि कमजोर हो चुकी संरचनाओं को संभाला जा सके। उन्होंने कहा कि विभाग ने अंतरराष्ट्रीय संरक्षण सिद्धांतों के अनुरूप ही काम किया है और किसी भी तरह के पुनर्निर्माण को वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता क्योंकि वहां पुनर्निर्माण किया ही नहीं गया।

जांच के लिए पहुंची यूनेस्को की टीम

विवाद के बाद 12 जून को यूनेस्को ने पाकिस्तान के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग और राष्ट्रीय विरासत एवं संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ इसकी जांच भी की। इस दौरान तक्षशिला संग्रहालय और आसपास के पुरातात्विक स्थलों का जायजा लिया गया। जांच के दौरान पंजाब पुरातत्व विभाग ने अपने संरक्षण कार्यों की प्रेजेंटेशन भी दी और दावा किया कि सभी कार्य पुरातात्विक धरोहर को सुरक्षित रखने के लिहाज से किए गए हैं।

यह विवाद पाकिस्तान के लिए केवल तक्षशिला तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर यूनेस्को इस मामले में सख्त रुख अपनाता है तो पाकिस्तान की अन्य विरासत स्थलों को विश्व धरोहर लिस्ट में शामिल कराने की कोशिशों पर भी असर पड़ सकता है। पाकिस्तान 1997 से 24 अतिरिक्त स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने का प्रयास कर रहा है। इनमें खैबर पख्तूनख्वा का बौद्ध स्थल रानी घाट और सिंध प्रांत का भानभोर जैसे ऐतिहासिक स्थल भी शामिल हैं। अधिकारियों का मानना है कि तक्षशिला विवाद इन प्रस्तावों के मूल्यांकन को प्रभावित कर सकता है।

रामायण-महाभारत से जुड़ा है तक्षशिला का गौरवशाली इतिहास

वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में इस्लामाबाद से लगभग 35 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम स्थित तक्षशिला भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्राचीन शिक्षण और सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। प्राचीन काल में यह गांधार क्षेत्र का हिस्सा था, जिसका उल्लेख रामायण, महाभारत और अनेक संस्कृत ग्रंथों में मिलता है। छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर पांचवीं शताब्दी ईस्वी तक तक्षशिला शिक्षा, दर्शन, राजनीति और चिकित्सा का प्रमुख केंद्र रहा। परंपरा के अनुसार आचार्य चाणक्य (कौटिल्य) और प्रसिद्ध वैद्य चरक का संबंध भी तक्षशिला से माना जाता है। मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने लगभग 316 ईसा पूर्व पंजाब क्षेत्र पर विजय के बाद इसे अपने साम्राज्य में शामिल किया था। तक्षशिला परिसर में आकेमेनिड, मौर्य, इंडो-ग्रीक, कुषाण और गुप्त काल के पुरातात्विक अवशेष मौजूद हैं। यही कारण है कि इसे दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विरासतों में गिना जाता है। यूनेस्को ने इसके असाधारण वैश्विक महत्व को देखते हुए वर्ष 1980 में तक्षशिला को विश्व धरोहर सूची (वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट) में शामिल किया था। ऐसे में मौजूदा विवाद केवल संरक्षण तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि उस साझा सभ्यतागत विरासत के संरक्षण से जुड़ा है जो वैदिक काल से लेकर बौद्ध और उत्तरवर्ती भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ी मानी जाती है।

जापानी ...

प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों पर जोर देते हुए कहा, कुछ ही दिन पहले जी7 शिखर सम्मेलन में मैंने कहा था कि वैश्विक उथल-पुथल के इस दौर में आपसी विश्वास हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। मुझे गर्व है कि भारत-जापान की साझेदारी इस कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती है।प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कई दशकों में ऑटोमोबाइल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक जापान ने भारत के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, आज प्रधानमंत्री तकाइची की इस यात्रा के साथ हम अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग, फार्मास्युटिकल क्षेत्र, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सप्लाई चेन, निवेश और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

भारत-जापान साझेदारी का भविष्य

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और जापान के बीच सिर्फ आर्थिक साझेदारी ही नहीं, बल्कि विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और साझा हितों का भी मजबूत रिश्ता है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में यह साझेदारी दोनों देशों के विकास के साथ-साथ पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता और समृद्धि में भी अहम भूमिका निभाएगी।

लापता लड्डू ...

उनका कहना है कि प्रतिमा के गुम होने के बाद से घर में किसी का मन नहीं लगता। उन्होंने यह भी कहा कि लड्डू गोपाल सपने में आकर बताते हैं कि उन्हें चोट लगी है। यही वजह है कि उन्होंने ऐलान किया है कि जो भी उनके लड्डू गोपाल को ढूंढ़कर लाएगा, उसे 5 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

तीन थानों की पुलिस करेगी तलाश

आईजी अरविंद सक्सेना का कहना है कि पहले कोतवाली पुलिस ने काफी कोशिश की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। अब पड़ोसी थानों को भी जांच में शामिल किया गया है, ताकि तलाश का दायरा बढ़ाया जा सके। उनके मुताबिक, पुलिस हर संभव प्रयास करेगी कि प्रतिमा बरामद हो और शिकायतकर्ता की आस्था को सम्मान मिल सके।

विजया शर्मा ने कहा कि 29 जनवरी को मेरे लड्डू गोपाल की मूर्ति माधवगंज में एक ठेले पर छूट गई थी। तब से मैं और मेरी बहन परेशान हैं। जब से वह गए हैं, तब से मेरे घर में कोई भोजन नहीं कर पा रहा है। मेरे कान्हा जी बहुत दुखी हैं, वह मुझे बहुत याद करते हैं। सपने में उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें कहीं चोट लग गई है। मैं ग्वालियर वासियों से कहना चाहती हूं कि जो भी मेरे लड्डू गोपाल जी को ढूंढकर लाएगा, मैं उसे 5000 का नकद इनाम दूंगी।

आईजी अरविंद सक्सेना ने कहा कि विजया शर्मा नाम की युवती मुझसे मिली थीं। उनका कहना था कि जब वह 29 जनवरी को महाराज बाड़ा इलाके में गई थीं तो लड्डू गोपाल जी की प्रतिमा मिसप्लेस हो गई। इसमें मैंने एक विशेष टीम का गठन सीएसपी किरण अहिरवार की नेतृत्व में करवा दिया है। उनसे कहा है कि वह प्रयास करें, उनकी जो प्रतिमा गुम हो गई है, वह उन्हें मिल जाए।

जनवरी में...

4. चंपत राय से ये भी कहा गया कि मंदिर के काम के लिए जो ठेके मनमर्जी से दिए जा रहे हैं, वो ठीक नहीं हैं। प्रॉपर टेंडर निकाला जाए, कोटेशन मंगाया जाए। लेकिन ये चिट्ठी मिलने के बाद चंपत राय बुरा मान गए। उन्होंने सुधार करने की जगह नया प्रमुख नियुक्त करने की जगह शिकायत शुरू कर दी। नतीजा ये हुआ कि कोई सिस्टम बना नहीं, किसी आदमी का नियुक्ति नहीं हुआ।

5. जनवरी से लेकर मई तक का समय ऐसे ही निकल गया। चोरी का शक तब और गहराया जब मई में चढ़ावे की रकम और कम हो गई। इसके बाद ट्रस्ट के एक प्रभावशाली व्यक्ति के जिद करने पर काउंटिंग सेंटर के अंदर एक स्पाई कैम लगाया गया। इसकी जानकारी ट्रस्ट के गिने-चुने लोगों को ही दी गई। नोट गिनने वालों से छुपाकर ये काम किया गया।

6. स्पाई कैम लगाने के बाद 24 घंटे काउंटिंग रूम की रिकॉर्डिंग हुई तो सारा सच सामने आ गया। काउंटिंग के वक्त लोग जेबों में नोट भरते दिखाई दिए। ट्रस्ट के सामने चोरी का ये केस 6 और 7 जून के बीच आया, उससे पहले चंपत राय चोरी होते देखकर चोरों से रकम बरामद करने में जुट गए थे।

वहीं, चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी अविनाश शुक्ला से पूछताछ करने के लिए पुलिस आज अपने रिमांड में ले सकती है। बताया जा रहा है इसलिए अयोध्या पुलिस ने अदालत में अर्जी भी दाखिल की है।

उधर, अविनाश शुक्ला के भाई का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें वो हाथों में नोटों का बंडल लिए दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि ये वीडियो करीब एक साल पुराना है। अगस्त 2025 का वीडियो बताया जा रहा है।

आपको बता दें कि अविनाश शुक्ला के योगा सेंटर से लोहे का एक संदूक मिला था, जिसपर रामराज्य कोष लिखा था। चढ़ावा चोरों के पास से अब तक 80 लाख से ज्यादा की रकम रिकवर हो चुकी है जिसमें सबसे ज्यादा अविनाश शुक्ला के पास से ही मिला है। अविनाश शुक्ला के पास से 20 लाख रुपये कैश मिले हैं और अब उसके भाई की वो रील सामने आई है जिसमें वो हाथों में नोटों का बंडल लिए दिख रहा है। सोचिए, 20 हजार रुपये महीना कमाने वाले के पास इतने पैसे कहां से आए। उसके भाई के पास इतने कैश कहां से आए।

अब इसी मामले में पूछताछ के लिए अयोध्या पुलिस को अविनाश की 24 घंटे की कस्टडी रिमांड मिली है। पुलिस ने अविनाश की 48 घंटे की रिमांड मांगी थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 03 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 169वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर 5 को

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री राम नवमी स्वागत मंच के विशेष सहयोग से 169वें निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह विशाल शिविर आगामी रविवार, 5 जुलाई को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक जुमेरात बाजार स्थित सरकारी हाई स्कूल परिसर में आयोजित किया जाएगा।

प्रतिष्ठित अस्पतालों द्वारा मिलेंगी हृदय, हड्डी और सामान्य चिकित्सा सेवाएँ

अग्रवाल सेवा दल के पदाधिकारी श्री अजीत गुप्ता द्वारा आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा हड्डी रोग, हृदय रोग, सामान्य चिकित्सा की सेवाएँ प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही मौके पर ही निःशुल्क ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस और रक्तचाप जैसी महत्वपूर्ण जाँचें भी की जाएंगी। इसके अलावा, डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के विख्यात चिकित्सक डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनाल खेरिया सुगंधी द्वारा मरीजों को सामान्य चिकित्सा परामर्श व स्वास्थ्य जांच की सेवा दी जाएगी।

निःशुल्क चश्मे, मोतियाबिंद ऑपरेशन, फिजियोथेरेपी और दाँतों की जाँच

शिविर में आँखों की देखभाल के लिए लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल (दोमलगुड़ा) द्वारा निःशुल्क नेत्र स्क्रीनिंग की जाएगी। जाँच के बाद जिन मरीजों को आवश्यकता होगी, उन्हें संस्था की ओर से निःशुल्क चश्मे दिए जाएंगे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की उचित व्यवस्था भी बिल्कुल मुफ्त की जाएगी। दाँतों की समस्या से ग्रसित मरीजों के लिए एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज अपनी सेवाएँ देंगे। वहीं, शारीरिक दर्द और रिहैबिलिटेशन के लिए बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा फिजियोथेरेपी की सेवा प्रदान की जाएगी।

दिव्यांगों को मिलेंगे कृत्रिम अंग और गंभीर मरीजों के लिए निःशुल्क डायलिसिस

शिविर का एक मुख्य आकर्षण देश की प्रतिष्ठित संस्था 'श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति' का सहयोग है। इस समिति के विशेषज्ञों द्वारा शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों की गहन जाँच की जाएगी और उन्हें आवश्यकतानुसार निःशुल्क एड्स एवं एप्लाएंस (सहायक उपकरण) जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स और हैंड किट्स मौके पर ही प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही, शिविर में आने वाले अत्यंत आवश्यक व गंभीर रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

रोगी पुरानी रिपोर्ट साथ लाएं; सुबह 10 से 12 बजे तक होगा पंजीकरण

आयोजकों ने शिविर का लाभ उठाने वाले सभी मरीजों से विशेष आग्रह किया है कि वे अपने साथ पूर्व की सभी स्वास्थ्य जाँच रिपोर्ट और दवाइयों की पर्चियां अवश्य लाएं, ताकि डॉक्टरों को उचित परामर्श देने में आसानी हो सके। शिविर का लाभ लेने के लिए इच्छुक व्यक्तियों का नाम पंजीकरण आयोजन स्थल पर ही सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे के बीच किया जाएगा। यह शिविर दोपहर 2:00 बजे तक निरंतर जारी रहेगा। इस जन-कल्याणकारी शिविर के संबंध में अधिक जानकारी या पूछताछ के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रमुख सदस्य प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, लाल सिंह, बी. कमल सिंह एवं बी. सीताराम शास्त्री से संपर्क किया जा सकता है।

राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि के पावन अवसर पर सुबह 8:01 बजे नित्य अन्नदान (अल्पाहार) सेवा का भव्य आयोजन केबीआर पार्क (इंडो अमेरिकन कैंसर अस्पताल के पास), बेगमबाजार (गौशाला के पास), पुल की माता और पब्लिक गार्डन (पिलर संख्या-ए1265, नामपल्ली) के पास श्रद्धा के साथ संपन्न की गई।

सेवन हिल्स को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की वार्षिक आम सभा संपन्न

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवन हिल्स को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की वार्षिक आम सभा दिनांक 30 जून 2026 को होटल द प्लैटिनम बुटीक इन, हिमायतनगर, हैदराबाद में संपन्न हुई। सभा की अध्यक्षता करते हुए बैंक के अध्यक्ष कैलाश डालिया ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बैंक के उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन एवं उपलब्धियों की जानकारी शेयरधारकों को दी। उन्होंने बताया कि बैंक की शेयर पूंजी एवं रिजर्व बढ़कर 837.98 लाख हो गई है, जबकि निवेश बढ़कर 1,873.08 लाख तक पहुंच गया है।

बैंक का कैपिटल टू रिस्क वेटेड एसेट्स रेशियो (सीआरएआर) बढ़कर 26.55% हो गया है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित 9% की न्यूनतम सीमा से कहीं अधिक है। बैंक की जमा राशि में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए यह 5,417.25 लाख तक पहुंच गई है। बैंक द्वारा प्राथमिकता क्षेत्र को दिए गए ऋण 72.19% रहे, जो आरबीआई के निर्धारित 60% से अधिक हैं। वहीं कमजोर वर्ग को दिए गए ऋण 22.36% तथा सूक्ष्म उद्यमों) को दिए गए ऋण 47.66% रहे, जो आरबीआई के निर्धारित मानकों 12% एवं 7.50% से काफी अधिक हैं।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 84.53 लाख का कर पूर्व लाभ अर्जित किया है तथा शेयरधारकों के लिए 10 प्रतिशत लाभांश घोषित किया गया। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैंक में आईएमपीएस और यूपीआई सेवाएं भी प्रारंभ कर दी गई हैं। बैंक को ऑडिटरों द्वारा ''क्लास-ए'' श्रेणी प्रदान की गई है, जो बैंक की मजबूत वित्तीय स्थिति एवं उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का प्रमाण है। अध्यक्ष ने बताया कि बैंक की मलकपेट शाखा को आगामी 10 दिनों के भीतर अलकापुरी कॉलोनी में स्थानांतरित किया जाएगा। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक से अनुमति प्राप्त होने के पश्चात बैंक शीघ्र ही हब्सीगुडा में अपनी नई शाखा प्रारंभ करेगा। बैंक का ग्रॉस एनपीए (सकल एनपीए) मात्र 1.54% तथा नेट एनपीए (शुद्ध एनपीए) 1.39% है, जो बैंक की सुदृढ़ ऋण वसूली व्यवस्था को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि बैंक ऋण वितरण पर विशेष ध्यान दे रहा है तथा ग्राहकों को 25 लाख तक के आवास ऋण मात्र 10% वार्षिक ब्याज दर तथा 25 लाख से अधिक के आवास ऋण 11% वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।अंत में अध्यक्ष कैलाश डालिया ने बैंक के सभी शेयरधारकों, ग्राहकों, तकनीकी सहयोगी संस्थाओं, भारतीय रिजर्व बैंक, सहकारिता विभाग एवं अन्य सभी हितधारकों का निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) एवं समस्त कर्मचारियों की सेवाओं की भी सराहना की।

इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामनिवास सारड़ा, उपाध्यक्ष संजय लाहोटी, निदेशकगण राधेश्याम राठी, महेश कलंत्री, रमेश अटासनिया, हनुमानदास मालू, विमलकिशोर सोनी, राजेन्द्र प्रसाद राठी, लक्ष्मीनारायण मालानी, राजेश कुमार राठी, श्रीमती ललिता मालानी, दिनेश कुमार गिलड़ा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी. राजाराव, बैंक के शेयरधारक एवं बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न

भुवनगिरी (भोंगीर), 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): भारतीय जनता पार्टी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस उच्च स्तरीय बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति में सांगठनिक चर्चा में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। बैठक के दौरान उपस्थित नेताओं के बीच हुआ संवाद अत्यंत प्रेरणादायक और ऊर्जावान रहा।

इस महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में मुख्य रूप से पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत व सशक्त बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

इसके साथ ही कार्यकर्ताओं के सशक्तिकरण तथा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जनकल्याणकारी विजन के प्रति पार्टी की सामूहिक प्रतिबद्धता को और तेजी से आगे बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि पार्टी का हर निर्णय राष्ट्रहित को समर्पित होना चाहिए।

बैठक के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता देश की उन्नति के लिए संकल्पित है। उन्होंने आगे बताया कि हम सभी पूरी प्रतिबद्धता, अटूट अनुशासन और सुदृढ़ एकता के साथ राष्ट्र सेवा के कार्य के लिए सदैव समर्पित हैं और आगे भी रहेंगे।

संगठन को धार देने वाली इस अहम बैठक में भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह के साथ-साथ मोर्चा के प्रदेश महामंत्री श्री रजनीश जैन, वरिष्ठ नेता श्री हरप्रीतसिंह गुलाटी एवं पार्टी के अन्य प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने एक सुर में आगामी सांगठनिक कार्यों को पूरी मजबूती के साथ पूरा करने का संकल्प लिया।

सफाई कर्मचारियों के मुद्दों पर प्रतिनिधिमंडल ने आयोग उपाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सफाई कर्मचारियों और अनुसूचित जाति समाज के रोजगार, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा व अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में ऑल इंडिया सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन के सोधा रामकृष्णा, अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस (तेलंगाना) के प्रदेश अध्यक्ष राजेश वाल्मीकि, उपाध्यक्ष करमवीर दुलगच्छ, हैदराबाद अध्यक्ष देवेंद्र चिंडलिया समेत अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि राज्य में बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी परिवार बेरोजगारी के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने सफाई कर्मचारी परिवारों के लिए स्थायी रोजगार और बच्चों के लिए विशेष शैक्षणिक योजनाएं लागू करने की मांग की।

बैठक में सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित सार्वजनिक शौचालयों का मुद्दा भी उठा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जिन शौचालयों के अनुबंध समाप्त हो चुके हैं या होने वाले हैं, उनका स्वतः नवीनीकरण न किया जाए। इसके बजाय स्थानीय सफाई कर्मचारी संगठनों, सहकारी समितियों व समुदाय से जुड़े योग्य समूहों को संचालन और रखरखाव का अवसर दिया जाए। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार व स्वरोजगार बढ़ेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि स्थानीय संगठनों को अक्सर कम लाभकारी परियोजनाएं मिलती हैं। इसलिए उपयुक्त स्थानों पर सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण व संचालन की अनुमति स्थानीय संगठनों को प्राथमिकता के आधार पर दी जाए।

सुलभ इंटरनेशनल में सेवा के दौरान दिवंगत सफाई कर्मचारियों और केयरटेकरों के परिवारों को उचित मुआवजा, मासिक सहायता, पुनर्वास व सामाजिक सुरक्षा देने की भी मांग की गई। साथ ही सभी सफाई कर्मचारियों के लिए पीएफ, ईएसआई, बीमा, चिकित्सा सुविधा व अन्य वैधानिक लाभ सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनकर जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आयोग सफाई कर्मचारी समुदाय के अधिकार, सम्मान, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मामलों पर संवेदनशीलता से विचार करेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि आयोग के हस्तक्षेप से तेलंगाना के सफाई कर्मचारियों व उनके परिवारों को रोजगार, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन के बेहतर अवसर मिलेंगे।

गोलकोण्डा जोन के पुलिस उपायुक्त जे. राघवेंद्र रेड्डी (आईपीएस) का स्वागत एवं सम्मान करते हुए विजय शंकर चौधरी।

एडवोकेट के. हरि प्रसाद और एडवोकेट पी. प्रदीप परथानी ने गुरुवार को सचिवालय चैंबर में मुख्यमंत्री के सलाहकार (प्रोटोकॉल और जनसंपर्क) एच. वेणुगोपाल राव से मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई।

तेलंगाना एसीबी की बड़ी कार्रवाई

डीएसपी भीम रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज, छापों में 43 लाख कैश, 2 किलो सोना और लग्जरी संपत्तियां बरामद

हैदराबाद, 02 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गुरुवार को पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज (झउड) में कार्यरत पुलिस उपाधीक्षक संकीरेड्डी भीम रेड्डी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। छापेमारी के दौरान अधिकारियों को लगभग 43.6 लाख रुपये नकद, दो किलोग्राम सोने के आभूषण, इब्राहिम बाग में एक लग्जरी विला और मणिकोंडा के लैंको हिल्स रोड पर एक जी+5 (छह मंजिला) कमर्शियल कॉम्प्लेक्स जैसी अकूत संपत्ति मिली है।

15 स्थानों पर एक साथ छापेमारी और संपत्तियों का खुलासा

एसीबी की जांच में भीम रेड्डी से जुड़े तेलंगाना और कर्नाटक में फैले अचल और चल संपत्तियों के एक व्यापक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत अधिकारी के आवास और उनके रिश्तेदारों, दोस्तों, बेनामीदारों व सहयोगियों से जुड़े 15 अन्य परिसरों पर एक साथ तलाशी ली गई।

एसीबी के अनुसार, जांचकर्ताओं को इब्राहिम बाग में 'वेसेला मीडोज' में एक लग्जरी विला, टेलीकॉम नगर में एक पेंटहाउस और एक अन्य फ्लैट के साथ एक ऋ+2 आवासीय घर, गचीबोवली में एक फ्लैट, तेल्लापुर में दो आवासीय फ्लैट और नागोले, पाटनचेरु व विकाराबाद में कई ओपन प्लॉट से संबंधित दस्तावेज मिले हैं।

तलाशी में भारी मात्रा में कृषि भूमि का भी पता चला है, जिसमें जहीराबाद में 3.5 एकड़, कर्नाटक में 44 एकड़ से अधिक, विकाराबाद में दो एकड़ और मुचिनताला गांव में 4.2 एकड़ के अलावा बेंगलुरु के पास देवनाहल्ली में एक एकड़ जमीन शामिल है।

रॉक सैंड मिनरल्स कंपनी में 75 लाख का निवेश और भारी मात्रा में नकदी–सोना जब्त

आवासीय और कृषि संपत्तियों के अलावा, अधिकारी के पास कथित तौर पर मणिकोंडा के लैंको हिल्स रोड पर एक जी+5 कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में हिस्सेदारी, मणिकोंडा मैरीचेट्टू जंक्शन के पास 3,000 वर्ग फुट का कमर्शियल स्पेस और एक रॉक सैंड मिनरल्स कंपनी में 75 लाख रुपये का निवेश था।

एसीबी ने करीब 43.6 लाख रुपये नकद भी जब्त किए हैं, जिसमें अधिकारी के आवास से 3.6 लाख रुपये और एक बेनामीदार के आवास से 40 लाख रुपये शामिल हैं। अधिकारियों ने लगभग दो किलोग्राम सोने के आभूषण, 20 किलोग्राम चांदी की वस्तुएं और करीब 19.91 लाख रुपये की बैंक जमा राशि भी बरामद की है। जांचकर्ताओं का कहना है कि इन अचल संपत्तियों का बाजार मूल्य उनके पंजीकृत दस्तावेज मूल्य से काफी अधिक होने की संभावना है, जिससे कुल संपत्ति कई करोड़ रुपये हो सकती है।

आवास से मिलीं 23 विदेशी शराब की बोतलें, जांच जारी

तलाशी के दौरान अधिकारियों को अधिकारी के आवास से 23 विदेशी शराब की बोतलें भी मिलीं। इस संबंध में उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए उत्पाद शुल्क (आबकारी) विभाग को सूचित कर दिया गया है। एसीबी ने कहा कि अतिरिक्त संपत्तियों का सत्यापन अभी जारी है और आय से अधिक संपत्ति के इस मामले की जांच की जा रही है।

तेलंगाना सरकार ने महीने के पहले दिन दी अनुबंध, आउटसोर्स कर्मचारियों को सैलरी

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने आउटसोर्स, अनुबंध और मानदेय–आधारित कर्मचारियों का वेतन महीने के पहले दिन ही उनके बैंक खातों में जमा करा दिया है। इस तरह मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने का वादा पूरा किया गया है।मुख्यमंत्री के निर्देशों पर अमल करते हुए, वित्त विभाग ने बुधवार को राज्य भर के सरकारी विभागों, निगमों, सोसायटियों, विश्वविद्यालयों और सरकार से जुड़े अन्य संगठनों में काम करने वाले आउटसोर्स और अनुबंध कर्मचारियों का वेतन जारी कर दिया है।मुख्यमंत्री ने हाल ही में सैलरी मिलने में देरी की वजह से कर्मचारियों को हो रही दिक्कतों पर गंभीरता से ध्यान दिया था और अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे यह सुनिश्चत करें कि अनुबंध, आउटसोर्स और मानदेय पाने वाले कर्मचारियों को भी नियमित सरकारी कर्मचारियों की तरह हर महीने बिना किसी देरी के उनकी बकाया धनराशि मिल जाये।

तिरुपति एयरपोर्ट पर शिष्टाचार भेंट

बंडारू ने आंध्र सीएम, केंद्रीय मंत्री और ओड़ीशा के राज्यपाल से की मुलाकात

तिरुपति, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरुमला में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन की आध्यात्मिक यात्रा के बाद, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के तिरुपति हवाई अड्डे (एयरपोर्ट) पहुंचे।

हवाई अड्डे पर अपने संक्षिप्त प्रवास के दौरान, बंडारू दत्तात्रेय ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने हवाई अड्डे पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ओड़ीशा के राज्यपाल कंभमपति हरिबाबू से भी मुलाकात की।

इस दौरान नेताओं ने एक–दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया और आपसी हित के विभिन्न मामलों पर संक्षिप्त चर्चा की।

सिंगरेनी में 40 लाख टन फर्जी कोयला दिखाकर मुनाफा दर्शाया : हरीश राव

मंचेरियाल, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के क्याथनपल्ली में बीआरएस द्वारा आयोजित 'सिंगरेनी संरक्षण सम्मेलन' में पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि हरीश राव का भव्य स्वागत किया।

सम्मेलन में बीआरएस जिलाध्यक्ष एवं पूर्व सरकारी सचेतक बाल्का सुमन, आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी, पूर्व मंचेरियल विधायक दिवाकर राव, बेलमपल्ली के पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया, राज्य नेता नडिपेल्ली विजित कुमार समेत अन्य राज्य व जिला स्तरीय नेता मौजूद थे।

सभा को संबोधित करते हुए हरीश राव ने पीपीटी के माध्यम से सिंगरेनी कंपनी में कथित वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने रिकॉर्ड में 40 लाख टन 'अस्तित्वहीन' कोयला दिखाकर उस पर मुनाफा होने का दावा किया है।

हरीश राव ने कहा कि इन्हीं फर्जी मुनाफों के आधार पर सैकड़ों करोड़ रुपये का आयकर, डिविडेंड, डीएमएफटी व अन्य करों का भुगतान किया गया। उन्होंने सवाल उठाया, जब हम पिछले दो महीनों से सिंगरेनी घोटालों को उजागर कर रहे हैं, तो सरकार और मुख्यमंत्री एक शब्द भी क्यों नहीं बोल रहे? उन्होंने दावा किया कि सभी आरोप दस्तावेजों और सबूतों पर आधारित हैं। सरकार को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि यदि हिम्मत है तो इस मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा कराई जाए। उन्होंने कहा, यदि मेरे आरोप झूठे साबित होते हैं तो मैं अपने पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

समय पर पूरे हों मिनी टैंक बांध के विकास कार्य : कलेक्टर हर्षा

पेद्दापल्ली, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया हर्षा ने गुरुवार को बंधमपल्ली के प्रथम वार्ड में निर्माणाधीन मिनी टैंक बांध विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और जनता को मिलने वाले लाभों की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय–सीमा के भीतर गुण–वत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं के अनुसार बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। कलेक्टर ने अधिकारियों से समन्वय के साथ काम कर जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा।निरीक्षण के समय नगर पालिका अध्यक्ष नुगिला मल्लैया, नगर आयुक्त वेंकटेश, आरडीओ गंगायाह, प्रथम वार्ड पार्षद शैलजा सुधाकर व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने कलेक्टर को विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

भूमि अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन के दौरान कविता को हिरासत में लिए जाने के बाद बोडुप्पल में तनाव

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता के नेतृत्व में हो रहा विरोध प्रदर्शन गुरुवार को बोडुप्पल में उस समय हिंसक हो गया जब विरोध स्थल पर हुई झड़प के बाद पुलिस ने उन्हें और उनके कई समर्थकों को हिरासत में ले लिया। यह आंदोलन कार्यकर्ताओं के लिए भूमि अधिकारों की मांग को लेकर हो रहा है।

सुश्री कविता भूमि अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही थीं और कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं से किये गये वादों को लागू करने की मांग कर रही थीं। पुलिस ने उप्पल विधानसभा क्षेत्र में दिन भर चलने वाले आंदोलन से पहले पूरे राज्य में तेलंगाना रक्षण सेना के नेताओं और कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया। उन्होंने नचाराम औद्योगिक क्षेत्र में विरोध स्थल पर लगाए गए टेंट भी हटा दिए।

सुश्री कविता तेलंगाना उद्यम कारुलु रक्षण कॉलोनी नाम की विरोध–प्रदर्शन वाली जगह पर पहुँचीं। वहाँ पुलिस के भीड़ को हटाने की कोशिश करने से पहले उन्होंने बोदराई स्थापित करके पूजा–अर्चना की। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का–मुक्की हुई, जिसके बाद कविता और टीआरएस के सैकड़ों नेताओं, तेलंगाना रक्षण सेना के कार्यकर्ताओं और तेलंगाना आंदोलन में शामिल लोगों को हिरासत में लेकर बोलारम पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

नरसिंग ने धूमधाम से मनाई अपनी 63वीं वर्षगांठ, उमड़ी ग्राहकों की भारी भीड़

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

खरीदारों के बीच सालों से एक विश्वसनीय नाम रहे नरसिंग ने अपनी 63वीं वर्षगांठ एक असाधारण सेल के साथ मनाई, जिसे पूरे क्षेत्र के ग्राहकों से भारी प्रतिक्रिया मिली।

नरसिंग द्वारा आयोजित यह प्रसिद्ध एनिवर्सरी सेल हमेशा रिकॉर्ड संख्या में लोगों को आकर्षित करती है और विशेष छूट व उत्सव के ऑफर्स के साथ खरीदारों को खुश करती है। इस सफलता के बारे में बात करते हुए नरसिंग ग्रुप के एमडी, श्री संजय सिंघानिया ने कहा, हम उस प्यार और भरोसे से अभिभूत हैं जो हमारे ग्राहकों ने साल–दर–साल हमें दिखाया है। यह एनिवर्सरी सेल हमारे प्रति आभार व्यक्त करने और उस समुदाय को वापस लौटाने का हमारा तरीका है जिसने पूरे दिल से हमारा समर्थन किया है।

नरसिंग के कूकटपल्ली शोरूम में आयोजित इस कार्यक्रम में अभिनेत्री वर्षिणी सौंदरराजन, मशहूर हस्तियों, फैशन प्रेमियों और इन्फ्लुएंसर्स की मौजूदगी से एक ग्लैमरस माहौल देखने को मिला। इस शोकेस में साड़ियों, फैब्रिक्स, लहंगे, हाफ–साड़ी और फेस्टिव वियर का एक बेहद खूबसूरत और शानदार प्रदर्शन किया गया था।

एसआईआर पारदर्शी तरीके से हो : हनुमंत शिंदे

मदनूर, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे ने बुधवार को जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत घर–घर जन–गणना प्रक्रिया की समीक्षा की।

उन्होंने मदनूर के तहसीलदारों से मुलाकात कर घर–घर सर्वे की प्रक्रिया की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के संदेह भी दूर किए। पूर्व विधायक ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संचालित की जाए। अधिकारियों को बिना किसी पक्षपात के जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। उन्होंने बीएलओ और पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उन्हें किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है और वे हर कार्यकर्ता के साथ खड़े हैं।

उन्होंने सभी से लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में सहयोग की अपील की। इस अवसर पर बीआरएस पार्टी मंडल अध्यक्ष बंशी पटेल, कृष्णा पटेल व अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिंधु पर पाक बौखलाहट

अमेरिका–रूस–चीन वाला तर्क

नई दिल्ली, 02 जुलाई (एजेंसियां)। सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान बिलबिला रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस समझौते को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। अब पाकिस्तान गीदड़ भभकियाँ दे रहा है, और सीधे तौर पर हिंसा का सहारा लेने की बात कर रहा है। लेकिन बड़बोले पाकिस्तान को ये पता नहीं है कि भारत के पास अमेरिका, रूस और चीन द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक तर्क है। इसी तर्क का सहारा लेकर ये तीनों बड़े देश अंतरराष्ट्रीय समझौते से बाहर निकल गए और अपनी राष्ट्रीय चिंताओं और हित को ज्यादा तवज्जो दी।

अभी हाल ही में पाकिस्तान के मंत्री अताउल्लाह तरार ने एक सेमिनार में कहा है कि भारत इंडस वॉटर ट्रीटी (आईडब्ल्यूटी) यानी सिंधु जल समझौते को संशोधित, रद्द या निलंबित नहीं कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान ने भारत की चिंता आतंकवाद पर मुंह सिल लिया है। हालांकि भारतीय रक्षा विशेषज्ञों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़े देशों द्वारा किए गए समझौतों के उल्लंघन के उदाहरण देकर भारत के वैध अधिकार पर जोर दिया है और कहा है कि भारत को आतंकवाद को लेकर अपनी चिंता दूर करने के लिए हर कदम उठाने का अधिकार है। पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल पीआर शंकर (रिटायर्ड) ने एक्स पर ट्वीट कर कहा कि अगर अमेरिका जेसीपीओए से हट सकता है, रूस आईएनएफ ट्रीटी से दूर जा सकता है और चीन दक्षिण चीन सागर पर हेग के फैसले को खारिज कर सकता है, तो भारत भी राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में आईडब्ल्यूटी को अस्थायी रूप से निलंबित

कर सकता है। कहने का अर्थ है कि दुनिया की बड़ी ताकतों ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों को तब नज़रअंदाज़ किया या उनसे बाहर निकल गए, जब वे उनके राष्ट्रीय हितों के काम के नहीं रहे। रक्षा विशेषज्ञ पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल पीआर शंकर (रिटायर्ड) का कहना है कि ताकतवर देश संधियों का सख्ती से पालन करने के बजाय रणनीतिक/राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों को ज़्यादा अहमियत देते हैं, इसलिए भारत भी आईडब्ल्यूटी के मामले में ऐसा कर सकता है।

सिंधु जल समझौता 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ एक ऐतिहासिक जल–बंटवारा समझौता है, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक ने की थी। इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों को दो हिस्सों में बांटा गया। रावी, ब्यास और सतलुज का अधिकांश जल भारत को मिला, जबकि सिंधु, झेलम और चेनाब का मुख्य उपयोग पाकिस्तान को दिया गया। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के संदर्भ में भारत लंबे समय से इस समझौते की समीक्षा की मांग कर रहा है। आइए समझते हैं कि दुनिया की बड़ी ताकतें कब अपने राष्ट्रीय हित में अंतरराष्ट्रीय समझौते से बाहर निकल गईं।

अमेरिका जेसीपीओए से 2018 में अलग हुआ

क्या हुआ: राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका 2015 के जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ़ एक्शन (जेसीपीओए) से 2018 में एकतरफ़ा तौर पर खुद को अलग कर लिया और दूसरे हस्ताक्षरकर्ताओं (यूके, फ्रांस, जर्मनी, रूस, चीन, ईयू) के विरोध के बावजूद फिर से ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिका का तर्क था कि यह डील बुनियादी तौर पर खराब थी। ट्रंप ने इसे अबतक का सबसे खराब डील कहा। अमेरिका का कहना है कि इसमें ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी गतिविधियों और सनसेट क्लॉज़ (समय–सीमा वाली शर्तें) जैसे मुद्दों को ठीक से नहीं सुलझाया गया था, जिनकी वजह से ईरान को आगे चलकर एडवांस्ड न्यूक्लियर कार्यक्रम फिर से शुरू करने की इजाज़त मिल जाती। ट्रंप इसे एक बुरा सौदा मानते थे जिससे ईरान तो मजबूत हुआ, लेकिन उसके न्यूक्लियर इरादों या अमेरिका के सहयोगियों पर कोई खास रोक नहीं लगी। इसे एक राजनीतिक प्रतिबद्धता माना गया जिसका लागू होना अमेरिका की इच्छाशक्ति पर निर्भर था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.